संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 169
पृष्ठ 8
मंगलवार
10 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोजाना छाछ का एक गिलास...

विचार- ईरान युद्धः भारत के लिए आगे...

खेल- दो आईसीसी ट्रॉफी दिलाने...

युवाओं पर फोकस! पीएम मोदी बोले-

एआई, स्किल और हेल्थ से बनेगा विकसित भारत

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल संकल्प है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल तथा संस्कृति जैसे क्षेत्र इन आकांक्षाओं को साकार करने के प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास दृ जन आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर आयोजित बजट के बाद की वेबिनार शृंखला की चौथी कड़ी को संबोधित कर रहे थे। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के अधिकारियों के साथ–साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं, बल्कि सरकार के बजट का मूल उद्देश्य और संकल्प है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश और सुधार देश के विकास को नई दिशा देने वाले हैं। इन क्षेत्रों के माध्यम से न केवल युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक और निवारक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है। पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया गया है और योग तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली है। उन्होंने बताया कि देश के सैकड़ों जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं तथा आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से आम नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ने 'केयर इकॉनमी' के उभरते महत्व का भी उल्लेख किया और कहा कि दुनिया भर में प्रशिक्षित देखभाल कर्मियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से युवाओं को इस क्षेत्र में तैयार करने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टेली–मेडिसिन ने दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन सेवाओं को और अधिक सरल बनाने तथा इनके प्रति जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। शिक्षा क्षेत्र पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं की बदलती सोच और ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा को वास्तविक अर्थव्यवस्था और बाजार की मांग से जोड़ना बेहद जरूरी होगा। उन्होंने विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान आधारित शिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके।

मुख्यमंत्री योगी बोले-

समय सीमा के अंदर हो समस्याओं का निस्तारण

● बच्चों को सीख, किताबें पढ़ो, सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग न करो

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज 'जनता दर्शन' में लोगों की समस्याये सुनी और त्वरित समाधान के अफसरों को निर्देश दिए। प्रदेश भर से आए पीड़ितों के पास मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचे। प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर किया जाए। दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीसीडा व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है।

सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। उद्यमियों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कासगंज से आए पीड़ित ने सीएम के समक्ष पुलिस से जुड़ी शिकायत रखी। पीड़ित ने कार्रवाई पर देरी की शिकायत की। सीएम योगी ने पुलिस अधीक्षक को मामले का संज्ञान लेते हुए समस्या के समयबद्ध निराकरण का निर्देश दिया। एक प्रकरण पारिवारिक विवाद से भी जुड़ा आया। अवैध कब्जे की शिकायत पर सीएम ने कहा कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने पीड़ित को आश्वस्त किया कि नियमानुसार कार्रवाई होगी। 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। एक बच्चे के पास पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ो। सोशल मीडिया का प्रयोग उतना करो, जितनी आवश्यकता है। अत्यधिक प्रयोग घातक है। सीएम ने मोबाइल का प्रयोग भी कम करने की सलाह दी।

संसद में जयशंकर बोले-

संवाद और कूटनीति जरूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों और ऊर्जा संकट पर राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर काफी गंभीर है। भारत ने 20 फरवरी को ही एक बयान जारी कर अपनी चिंता जाहिर कर सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नए घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं। संबंधित मंत्रालय आपस में तालमेल बिठाकर काम कर रहे हैं ताकि सही कदम उठाए जा सकें।

उन्होंने बताया कि यह विवाद भारत के लिए बड़ी चिंता की बात है। खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं। ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और कर्मचारी मौजूद हैं। यह इलाका भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि यहां तेल और गैस के मुख्य सप्लायर हैं। सप्लाई चेन में रुकावट आना एक गंभीर मुद्दा है। जयशंकर ने कहा यह विवाद लगातार बढ़ रहा है जिससे इलाके की सुरक्षा की स्थिति खराब हो गई है। इसका असर आम जिंदगी और कामकाज पर पड़ रहा है। इस संकट में भारत ने अपने दो नाविकों को खो दिया है और एक नाविक अभी भी लापता है। भारतीयों की सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि तेहरान में भारतीय दूतावास छात्रों को सुरक्षित जगहों पर भेजने में मदद कर रहा है।

राज्य सभा में विपक्ष पर भड़के जेपी नड्डा, बोले-

बहस नहीं, सिर्फ अराजकता फैलाने में रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को पश्चिम एशिया संघर्ष पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन के दौरान विपक्ष द्वारा की गई नारेबाजी की निंदा करते हुए कहा कि विपक्ष को बहस करने में नहीं बल्कि केवल अराजकता फैलाने में दिलचस्पी है। विपक्ष पर अपने फायदे के लिए राजनीति करनेष्का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा कि वे इसमें कभी सफल नहीं होंगे। राज्यसभा में नड्डा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ मैं कह रहा हूं कि विपक्ष का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना और निंदनीय है। उन्हें न तो देश में कोई रुचि है और न ही बहस में, बल्कि उन्हें केवल अराजकता फैलाने में रुचि है।

नड्डा ने आगे कहा कि उन्हें विकसित भारत, देश की प्रगति में कोई रुचि नहीं है, उनकी रुचि केवल अपने फायदे की राजनीति में है, जिसमें वे कभी सफल नहीं होंगे। जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री उभरते घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहे हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं। यह घटनाक्रम 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के मद्देनजर सामने आया है, जिसमें ईरान को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और सत्तारूढ़ दल के कई प्रमुख सदस्यों की मौत हो गई थी। इसके बाद से स्थिति और बिगड़ गई है, सप्ताहांत में तेल भंडारों और जल विलवणीकरण संयंत्रों पर नए हमले हुए हैं। जयशंकर ने कहा कि सरकार ने क्षेत्रीय अस्थिरता को लेकर पहले ही अपनी आशंकाएं व्यक्त कर दी थीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 20 फरवरी को एक बयान जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया था। हमारा मानना छहै कि तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का सहारा लेना चाहिए। संघर्ष की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने पुष्टि की कि भारत ने 28 फरवरी, 2026 को आधिकारिक तौर पर युद्ध पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने क्षेत्रों में तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति के आह्वान को दोहराया, साथ ही बढ़ते हताहतों और ईरानी नेतृत्व के पतन की ओर ध्यान आकर्षित किया।

दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को राहत

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है, ऐसे में परिवार में उनकी मौजूदगी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी मां की तबीयत काफी खराब है और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। इन परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए शरजील इमाम को 10 दिनों के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी। दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाकों में हिंसा उस समय हुई थी जब साल 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। हिंसा और आगजनी के दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार के फैसलों– राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (छत्व) और नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस के आरोपों में प्रदर्शनकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए। सीएए व एनआरसी के विरोध में सबसे लंबा चलने वाला धरना शाहीनबाग में जेएनयू छात्र शरजील इमाम ने खड़ा किया था और यहीं दिल्ली दंगों की साजिश भी रची गई।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना, खरगे बोले-

भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है प्रभाव

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में आज पश्चिम एशिया में जारी संकट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में घमासान देखने को मिला है। विदेश मंत्री की तरफ से सदन में पश्चिम एशिया में व्याप्त संकट पर बयान दिया गया। लेकिन इसके बाद से विपक्ष सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, श्पश्चिम एशिया संकट से कितना नुकसान होगा? एक बड़े बदलाव की लड़ाई चल रही है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। आपने शेयर बाजार देखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता कर लिया है। देश को बड़ा झटका लगने वाला है।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि, श्हम इसके बाद दूसरे मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। क्या पश्चिम एशिया का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं है? ईंधन की कीमतें और आर्थिक तबाही चर्चा के महत्वपूर्ण विषय नहीं हैं? ये सार्वजनिक मुद्दे हैं। हम इन्हें महत्वपूर्ण मानते हैं और इन पर चर्चा करना चाहते हैं... लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते क्योंकि इससे और भी बातें सामने आएंगी, प्रधानमंत्री की छवि खराब होगी। उनकी छवि खराब होगी और उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है, ये सब सामने आएगा। इसलिए वे चर्चा नहीं करना चाहते। आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से कैसे भाग गए। मैं आपको बता रहा हूं, वे नहीं आ पाएंगे।

वहीं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को एशिया के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में तेजी से बदल रही भू–राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह हालात केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। साथ ही भारत की वैश्विक छवि और सामर्थ्य पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 55 प्रतिशत जरूरतें पश्चिम एशिया से होने वाले आयात से पूरी करता है। यदि उस क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है तो उसका सीधा असर हमारे देश की आर्थिक स्थिरता पर पड़ सकता है। खरगे ने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन से कहा, श्मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे यह मुद्दा उठाने का अवसर दिया।श खरगे ने कहा कि वह नियम 176 के तहत तहत उभरती चुनौतियों के संदर्भ में भारत की ऊर्जा सुरक्षा के विषय पर अल्पकालिक चर्चा की अनुमति का अनुरोध करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एशिया के उस क्षेत्र में लाखों भारतीय काम करते हैं, जिनकी सुरक्षा और आजीविका वहां की स्थिरता पर निर्भर करती है। हाल की घटनाओं में कुछ भारतीय नागरिकों के मारे जाने या लापता होने की खबरें भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर के दाम में लगभग 60 रुपये की बढ़ोतरी भी आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती है। भारत हर साल लगभग 51 बिलियन अमेरिकी डॉलर का तेल आयात करता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था और परिवारों के जीवन से सीधा जुड़ा हुआ विषय है। इसलिए इन अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। इस बीच सभापति द्वारा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बैठ जाने के लिए कहा गया। सभापति ने खरगे को बाद में बोलने का अवसर देने की बात कही और कहा कि फिलहाल विदेश मंत्री एस जयशंकर सदन में अपनी बात रखने जा रहे हैं।

पीआईएल में वकील ने ऐसा क्या कहा, जिससे नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट, लगा दी फटकार

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक वकील की तरफ से दायर किए गए पांच याचिकाओं को 'असंगत और बेवजह' बताते हुए पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (पीआईएल) खारिज कर दिए। इनमें से एक याचिका में मांग की गई थी कि यह जांच की जाए कि प्याज और लहसुन में 'तामसिक' यानी नकारात्मक ऊर्जा होती है या नहीं। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने वकील सचिन गुप्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि क्या आप आधी रात को ये सारी याचिकाएं तैयार करते हो? सीजेआई ने इन याचिकाओं को अस्पष्ट, असंगत और बिना आधार वाली बताया। इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे। उन्होंने वकील को कई पीआईएल दायर करने पर फटकार लगाई। बता दें कि प्याज और लहसुन वाली याचिका में यह भी कहा गया था कि जैन धर्म के लोग इसे 'तामसिक' भोजन मानते हैं और इन्हें नहीं खाते। इसपर सीजेआई ने पूछा कि आप जैन समुदाय की भावनाओं को क्यों आहत करना चाहते हैं?

सीजेआई के फटकार के बाद वकील ने जवाब दिया कि यह आम समस्या है और गुजरात में किसी ने खाने में प्याज इस्तेमाल करने पर तलाक भी लिया। इस पर सीजेआई ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर अगली बार आप ऐसी बेवजह याचिका लाएंगे, तो आप देखेंगे कि हम क्या करेंगे। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुप्ता की तरफ से दायर चार अन्य पीआईएल भी खारिज कर दीं। इनमें से एक में शराब और तंबाकू उत्पादों में हानिकारक सामग्री को नियंत्रित करने की मांग थी, दूसरी में संपत्तियों के पंजीकरण को अनिवार्य करने की बात थी, और तीसरी में शास्त्रीय भाषाओं के घोषणा के लिए दिशा–निर्देश मांगने की याचिका थी।

हृदय की भावनाएं यूं ही तुम जाया नहीं करना कवियों की रचनाओं से झूम उठे श्रोता

नैनी, प्रयागराज। अवन्तिका के मनोकामना पार्क में होली मिलन समारोह एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। रविवार देर शाम तक चलने वाले कार्यक्रम में कवियों ने अपनी हास्य रचनाओं से शमां बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोकामना मंदिर में स्थापित भगवान भोलेनाथ व संकट मोचन हनुमानजी को पुष्प अर्पित कर व दीप जलाकर किया गया। कवयित्री राधा शुक्ला के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में सौम्या शुक्ला द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। डॉ शिव प्रकाश साहित्य ने अपनी कविता बेटियां हैं कली डांटकर के इन्हें नागफनियां न घर मे उगाया करो तथा नजर इलाहाबादी ने

प्रतिभा का सम्मान करो कानून न इन पर तुम थोपो सुनाया। डॉ जगदम्बा शुक्ल की रचना ये खुश रहे जहान तो समझो कि है होली, भारत रहे महान तो समझो कि है होली तथा राधा शुक्ला की रचना प्रीति राधा सी तुमसे निभाएगी वो, जानकी सी गृहस्थी चलायेगी वो खूब सराही गई।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ राजेंद्र शुक्ल की रचना खुश होकर गले मिलिए और रोली लगाइये तथा विकास वैभव व लखन प्रतापगढ़ी की रचना के बाद मैनपुरी से आये ओज के सुप्रसिद्ध कवि मनोज चौहान ने वीर रस की हम सब उनको भूल गए जो आजादी में खास रहे जैसी कई कविताओं से मंच को ऊंचाई प्रदान किया। सभी कवियों द्वारा अपनी रचनाएं प्रस्तुत करने के बाद मंच हास्य कवि बिहारी लाल अम्बर को समर्पित कर दिया गया जो अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं का मनोरंजन करते रहे। कार्यक्रम में यमुनापार विकास समिति के संयोजक गजेन्द्र प्रताप सिंह , आयोजक मंडल के रमानंद शुक्ल, नवनीत पाण्डेय, अनूप तिवारी, पंकज पाण्डेय, अरुण तिवारी, चंद्रशेखर, राकेश शुक्ला, अंजली सहित भारी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

नारी ही सृष्टि का मूल हैः डॉ. उमर अली शाह

हैदराबाद। उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि नारी ही सृष्टि का मूल हैं और सृष्टि की जननी है। रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर डॉ. उमर अली शाह ने उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की हैदराबाद शाखा के सदस्यों के तत्वावधान में अबिड्स के हीरा हॉल और श्री सिंधी गुरु फंक्शन हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग ले रहे थे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन करने के उपरांत डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि माता–पिता से बढ़कर कोई भगवान नहीं है। वह चाहते हैं कि महिलाओं को उनका अधिकार मिले और उनका सम्मान किया जाए। टाटीकोंडा की पूर्व विधायक डॉ. उंडावल्ली श्रीदेवी ने महिलाओं के विकास और तरक्की के बारे में उपयोगी और सभी क्षेत्रों में महिलाओं की तरक्की के बारे में भी चर्चा की।उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी भी क्षेत्र में कम नहीं समझा जाना चाहिए, और सभी को महिला शक्ति बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं को

मौका दिया जाए, तो वे चमत्कार कर सकती हैं। महिला दिवस के मौके पर, कट्टा लक्ष्मी को फरज़ाना अली शाह डिस्टिंग्विश्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में गिडुगु राममूर्ति फाउंडेशन की प्रेसिडेंट वेमुरी लक्ष्मी कांति, मशहूर डॉक्टर, गायनेकोलॉजी, सिविल सर्जन स्पेशलिस्ट डॉ. आर. हरिप्रिया, साइकोलॉजिस्ट डॉ. टी. शांतिश्री, तेलंगाना के युवाओं के बास्केटबॉल कोच ए.एस. शैलजा विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. उमर अली शाह ने फीता काटकर वहां लगाए गए स्टॉलों का उद्घाटन किया। बाद में, डॉ. उमर अली शाह ने रियल स्पेस इंफ्रा डेवलपर्स के चेयरमैन कोंडाबट्टीना शिव नारायण द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का अनावरण किया। ज़ोरा डिज़ाइन स्टूडियो द्वारा एक कपड़ों की दुकान, प्रकृति मातृ ऑर्गेनिक फूड्स द्वारा एक फूड स्टॉल, उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक निरू शुल्क होम्योपैथिक मेडिकल शिविर और एस.बी.आई. बैंक द्वारा एक जीवन बीमा स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत नाटक ने दर्शकों को प्रभावित किया। दात्रक मॉडल स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 8 और 9 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य ने दर्शकों का मनमोह लिया औ। विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में आयोजित रैंप वॉक ने सभी का मनोरंजन किया। सभा में उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा महिलाओं को दी जाने वाली सेवाओं से संबंधित एक वीडियो दिखाया गया। बाद में, कार्यक्रम में शामिल मेहमानों को मंच पर आमंत्रित किया गया और मंच को सजाया गया। डॉ. शेख खाजा इंदाद ने प्रार्थना गीत गाया। डॉ. उमर अली शाह ने अलग–अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया। प्रोग्राम में उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के बड़ी संख्या में सदस्यों ने हिस्सा लिया।

तमिलनाडु की महिला तीर्थयात्री की ट्रेन में मौत, तीर्थ यात्रा पर निकली थीं

प्रयागराज। तमिलनाडु के तिरनलवेली जनपद के सेंगुलम क्षेत्र निवासी काला (62) पत्नी रविंद्रयन 28 फरवरी को श्रेया एक्सप्रेस से तीर्थ यात्रा के लिए निकली थीं। उनके साथ ट्रेन में 65 अन्य बुजुर्ग महिला–पुरुषों का समूह था। तमिलनाडु के तिरनलवेली जनपद के सेंगुलम क्षेत्र निवासी काला (62) पत्नी रविंद्रयन 28 फरवरी को श्रेया एक्सप्रेस से तीर्थ यात्रा के लिए निकली थीं। उनके साथ ट्रेन में 65 अन्य बुजुर्ग महिला–पुरुषों का समूह था। उनका उद्देश्य प्रयागराज, काशी और अयोध्या में दर्शन–पूजन करना था। लेकिन यात्रा के दौरान छह मार्च को प्रयागराज पहुंच रही ट्रेन में ही काला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ट्रेन में मौजूद लोगों ने सूचना रेलवे पुलिस को दी।

वाराणसी के नमो घाट से अपहृत मासूम प्रतीक शर्मा सकुशल बरामद, 24 घंटे बाद परिवार में लौटी खुशियां

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र के सराय कला गांव से शनिवार को अगवा किए गए छह वर्षीय मासूम प्रतीक शर्मा को पुलिस ने रविवार रात वाराणसी जनपद के नमो घाट से सकुशल बरामद कर लिया।

मांडा थाना क्षेत्र के सराय कला गांव से शनिवार को अगवा किए गए छह वर्षीय मासूम प्रतीक शर्मा को पुलिस ने रविवार रात वाराणसी जनपद के नमो घाट से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस की घेराबंदी की भनक लगते ही अपहरणकर्ता बच्चे को छोड़कर फरार हो गए। इंस्पेक्टर मांडा अनिल कुमार वर्मा मासूम को लेकर थाने के लिए रवाना हो गए। बच्चे के सकुशल मिलने की खबर से परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार सराय कला निवासी ओमप्रकाश शर्मा का पुत्र प्रतीक शर्मा मेजा थाना क्षेत्र के अकोड़ा गांव स्थित एक निजी स्कूल में एलकेजी का छात्र है।

शनिवार को स्कूल वाहन से उतरने के बाद घर से करीब 50 मीटर पहले कार सवार बदमाश उसे जबरन ऑल्टो कार में बैठाकर ले गए थे। उस समय उसके दादा नागेश्वर प्रसाद शर्मा को बदमाशों ने बातचीत में उलझा लिया था।

घटना के बाद पुलिस की आठ टीमें जांच में लगा दी गई थीं। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के आधार पर संदिग्ध ऑल्टो कार के वाराणसी की ओर जाने के संकेत मिले। इसके बाद पुलिस ने वाराणसी और भदोही में लगातार दबिश दी। पुलिस की घेराबंदी तेज होते ही अपहरणकर्ता बच्चे को वाराणसी के नमो घाट के पास छोड़कर फरार हो गए।

रविवार को एसीपी मेजा एस. पी. उपाध्याय भी परिजनों से लगातार संपर्क में रहे और जांच की कड़ियां जोड़ते रहे। घटना की सूचना मिलने पर पिता ओमप्रकाश शर्मा भी मुंबई से घर के लिए रवाना हो गए थे। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि मासूम की वाराणसी से सकुशल बरामदगी कर ली गई है और अपहरणकर्ताओं की तलाश जारी है।

परिजनों से मिलने वालों का लगा रहा तांता

घटना के बाद रविवार को पीड़ित परिवार के घर पर लोगों का दिनभर तांता लगा रहा। मेजा विधायक संदीप पटेल, जिला पंचायत सदस्य प्रमिल यादव, राजू समदरिया और जयशंकर भारतिया ने परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और घटना की निंदा करते हुए दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

भारत की धमाकेदार जीत पर होली के चार दिन बाद दिवाली जैसा माहौल

प्रयागराज। टी–20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर संगमनगरी खुशी के महासागर में डूब गई। घरों, हॉस्टलों और बाजारों में मैच देख रहे लोग सड़कों पर निकल आए और देखते ही देखते शहर जश्न के रंग में रंग गया।

टी–20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर संगमनगरी खुशी के महासागर में डूब गई। घरों, हॉस्टलों और बाजारों में मैच देख रहे लोग सड़कों पर निकल आए और देखते ही देखते शहर जश्न के रंग में रंग गया।

सिविल लाइंस, कटरा, चौक, कीडगंज, लोकनाथ, कोठापार्चा, करेली समेत प्रमुख इलाकों में क्रिकेट प्रेमियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। युवाओं की टोलियां हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर दौड़तीं नजर आईं। ढोल–नगाड़ों की थाप पर नाचते युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। हर तरफ भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष गूंजने लगे।

मिठाई की दुकानों पर लोगों की भीड़ लग गई। क्रिकेट प्रशंसकों ने एक–दूसरे का मुंह मीठा कराकर जीत की खुशी मनाई। छोटे बच्चों ने चेहरे पर तिरंगा पेंट कराकर भारत की

जीत का उत्सव मनाया। रात होते ही संगमनगरी का आसमान रंग–बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठा। ऐसा लग रहा था मानो दीपावली से पहले ही रोशनी का पर्व मनाया जा रहा हो।

बड़ी स्क्रीन पर उठाया मैच का लुत्फ

वर्ल्डकप का फाइनल देखने के लिए क्रिकेट प्रेमी शाम सात बजे से ही टीवी के सामने डटे रहे। रामबाग, कीडगंज में लगी बड़ी स्क्रीन पर भी लोगों ने मैच का लुत्फ उठाया। वहीं प्रयाग केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में वर्ल्डकप मैच के लिए एलईडी स्क्रीन लगाई गई। इसके अलावा तेलियरगंज, राजापुर, कर्नलगंज समेत अन्य कई इलाकों में लोग बड़ी स्क्रीन पर मैच का आनंद लेते नजर आए।

यह जीत सुखद अनुभव का एहसास दिलाती है। भारत के सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में ही जीत की पटकथा लिख दी थी। एक बार फिर विश्व विजेता बनने पर पूरी टीम और देशवासियों को बधाई। – आशीष विंस्टन जैदी, पूर्व रणजी क्रिकेटर

भारत के तीसरी बार टी–20 प्रारूप में विश्वविजेता बनने पर बधाई। संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के बाद शिवम दुबे की बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। – ताहिर अब्बास, पूर्व रणजी क्रिकेटर

टीम इंडिया के जांबाजों ने देश को होली का तोहफा दिया है। होली के रंगीन माहौल में जीत के बाद पटाखों की गूंज ने दीपावली का नजारा भी दिखा दिया। भारत की यह जीत कई दिनों तक याद रखी जाएगी। – शिवाकांत शुक्ला, पूर्व रणजी क्रिकेटर

भारत ने ऐतिहासिक जीत के साथ ही अहमदाबाद के मैदान पर यह मिथक भी तोड़ दिया कि फाइनल में यह मैदान भारत के लिए शुभ नहीं है। यह जीत पूरी टीम की एकजुटता का प्रयास है। इससे युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। – केबी काला, पूर्व रणजी क्रिकेटर

पर्चे पर डॉक्टरों की लिखावट का खेल, जन औषधि केंद्रों के फार्मासिस्ट दवाओं के नाम पढ़ने में ही फेल

प्रयागराज। जरूरतमंदों को सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के सरकार के तमाम प्रयासों पर कई सरकारी डॉक्टरों, दवा कंपनियों व निजी मेडिकल स्टोर संचालकों की मिलीभगत भारी पड़ रही है।

जरूरतमंदों को सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के सरकार के तमाम प्रयासों पर कई सरकारी डॉक्टरों, दवा कंपनियों व निजी मेडिकल स्टोर संचालकों की मिलीभगत भारी पड़ रही है। शासन ने सरकारी अस्पतालों में बाहरी दवाएं लिखने वाले डॉक्टरों पर सख्त रुख अपनाया तो कई ने पर्चे पर लिखावट में ही खेल शुरू कर दिया। इनकी लिखावट ऐसी कि जिसे पढ़ने में सस्ती दवा देने वाले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के फार्मासिस्ट फेल हो जा रहे हैं। जबकि निजी मेडिकल स्टोर संचालक धड़ाधड़ दवाएं निकालकर थमा देते हैं। यह सब कुछ आर्थिक हित साधने के चक्कर में हो रहा है।

स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन), मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) और तेज बहादुर सप्रू अस्पताल (बेली) के कई चिकित्सकों पर आरोप है कि वे पर्चे पर ऐसी दवाएं लिखते हैं जो प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के फार्मासिस्ट को समझ में ही नहीं आती हैं। इससे मरीजों व तीमारदारों को पर्चा लेकर लौटना पड़ जाता है। फिर, महंगी दवाएं खरीदने के अलावा इनके पास दूसरा रास्ता नहीं बचता।

दवा कंपनियों व निजी मेडिकल स्टोर संचालकों से सेटिंग का यह खेल धड़ल्ले से खेला जा रहा है। इसमें सबसे अधिक मार आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर पड़ रही है। मकड़जाल में उलझकर ये सस्ती दवाओं से वंचित हो जा रहे हैं। निजी मेडिकल स्टोरों से दवाएं लेने का दबाव बनाने के लिए डॉक्टर तरह–तरह की कोशिशें जारी रखे हैं।

अलग रंग की होगी जन औषधि केंद्र की पर्ची

दवा की छोटी पर्ची से संबंधित खबर प्रकाशित होने के बाद कॉल्विन अस्पताल में जन औषधि केंद्र के लिए अलग रंग की पर्ची का निर्णय लिया गया है। ऐसे में जो दवाएं अस्पताल के औषधि भंडार में उपलब्ध नहीं होंगी, संबंधित चिकित्सक की तरफ से इसी अलग रंग की पर्ची पर लिखी जाएंगी। ऐसा करना अनिवार्य होगा। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि पर्ची का रंग जल्द तय कर दिया जाएगा। वहीं, जन औषधि केंद्र संचालकों के लिए दवा का बिल देना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

सभी चिकित्सकों को बाहरी दवाएं न लिखने को लेकर नोटिस जारी किया गया है। फिर भी ऐसी शिकायतें सामने आती हैं तो संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई होगी। किसी मरीज व तीमारदार को कोई परेशानी है तो वह सीधे संपर्क करे, तत्काल कार्रवाई की जाएगी। – डॉ. एसके चौधरी, प्रमुख अधीक्षक, कॉल्विन अस्पताल

हर 15 दिनों में नोटिस जारी करके बाहरी दवाएं न लिखने के लिए हिदायत दी जाती है। इसके बावजूद अगर किसी विभाग के चिकित्सक पर आरोप लगता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। – डॉ. भावना शर्मा, सीएमएस, बेली अस्पताल

नए यमुना पुल से कूदकर बिजली कर्मी ने दी जान, जल पुलिस ने बाहर निकाला शव

प्रयागराज। सोमवार दोपहर एक बिजली कर्मी ने नए यमुना पुल से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुल पर मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना घाट पर तैनात जल पुलिस और स्थानीय पुलिस को दी। सोमवार दोपहर एक बिजली कर्मी ने नए यमुना पुल से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुल पर मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना घाट पर तैनात जल पुलिस और स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान कर्नलगंज थाना क्षेत्र के बघाड़ा निवासी शुभम शर्मा (28) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोमवार दोपहर वह नए यमुना पुल पर पहुंचा और अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दी। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई और लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही घाट पर मौजूद जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और नदी में युवक की तलाश शुरू की। कुछ देर की मशक्कत के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने पर कीडगंज पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम समारोह आयोजित

प्रयागराज। आज सोमवार को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026' के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में "International Women's Day 2026: Rights, Justice, Action for all women and Girls (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026: सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और कार्रवाई) शीर्षक के तहत व्याख्यान का आयोजन ब्डच डिग्री कॉलेज के एकेडमिक सभागार में दोपहर 12.00 बजे से 01.40 बजे तक सीएमपी महाविद्यालय के प्फ ।ब्, प्ब् एवं सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबिंग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रुचिका वर्मा, संयोजिका, सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबिंग ने किया। कार्यक्रम की 'मुख्य अतिथि' प्रोफेसर अनामिका रॉय, फार्मर डायरेक्टर, सेंटर ऑफ वूमेन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, 'विशिष्ट

अतिथि', प्रोफेसर अनुराधा कुमार, फार्मर डायरेक्टर, सेंटर ऑफ वूमेन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से किया गया। वाचिक स्वागत प्रोफेसर सरोज सिंह, संयोजिका, प्ब्, सीएमपी महाविद्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अनुराधा कुमार ने व्याख्यान के शीर्षक के साथ न्याय करते हुए महिलाओं के साथ विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर असंगठित क्षेत्रों में हो रहे भेदभाव पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं के शारीरिक समस्याओं पर जोर डालते हुए महिलाओं की चुप्पी को सामाजिक रुग्णता बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, प्रोफेसर अनामिका रॉय ने, महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव को उजागर करते हुए उन महिलाओं को व्याख्यान में शामिल किया जिनका नाम एवं सहयोग इतिहास के किसी पन्ने में अंकित नहीं है। कार्यक्रम में महाविद्यालय में प्राचार्य ने अपने संबोधन में सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई दी और सभी से महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म करने की अपील की। कार्यक्रम के इसी कड़ी में प्रोफेसर अर्चना पाण्डे, रसायनशास्त्र विभाग, सीएमपी महाविद्यालय, ने अपने संक्षिप्त व्याख्यान में स्त्रियों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर प्रिया सोनी खरे, सदस्य, प्फ ।ब द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में प्रो नीता सिन्हा, प्रो अर्चना खरे, प्रो सरिता श्रीवास्तव, प्रो बबीता अग्रवाल, प्रो आभा त्रिपाठी, प्रो एस पी सिंह, प्रो दीनानाथ, डॉ सत्येन्द्र कुमार, प्फ ।ब्, प्ब्, सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबिंग के अन्य सदस्य गणों के साथ साथ महाविद्याल में अधिकांश सम्मानित शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

होली मनाकर लौटने वालों की बढ़ी भीड़, ट्रेनें और बसें ठसाठस

प्रयागराज। शहर से दिल्ली और मुंबई की ओर लौटने वालों के लिए रविवार का दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रहा। होली की छुट्टियां बिताकर काम पर लौटने वालों का प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशनों पर हुजूम दिखा।

शहर से दिल्ली और मुंबई की ओर लौटने वालों के लिए रविवार का दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रहा। होली की छुट्टियां बिताकर काम पर लौटने वालों का प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशनों पर हुजूम दिखा। आलम यह रहा कि प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होने के लिए शाम छह बजे से ही प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। बताया जा रहा है कि रविवार को इस सीजन की सर्वाधिक भीड़ दिल्ली रूट की ट्रेनों में रही। दिल्ली रूट की प्रयागराज एक्सप्रेस, हमसफर, रीवा, महाबोधि, ब्रह्मपुत्र मेल, शिवगंगा और पुरुषोत्तम एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों की तकरीबन सभी श्रेणियों में नो रूम की स्थिति रही। यही हाल मुंबई रूट का भी रहा। इस रूट की कामायनी, काशी और महानगरी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें यात्रियों से ठसाठस भरीं नजर आईं। संगम और देहरादून एक्सप्रेस में भी वेटिंग लिस्ट ने यात्रियों को मायूस किया। वहीं, दूसरी ओर भीड़ के दबाव को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलाकर यात्रियों को बड़ी राहत दी। जनरल कोच के यात्रियों के लिए जंक्शन पर लगातार एनाउंसमेंट किया गया और आरपीएफ व वाणिज्य विभाग के कर्मियों की मौजूदगी में यात्रियों को कतारबद्ध कर कोच में प्रवेश कराया गया। इस व्यवस्था से प्लेटफॉर्म पर अफरातफरी की स्थिति नहीं बनी और बड़ी संख्या में यात्री सुरक्षित रवाना हो सके। रेलवे प्रशासन का अनुमान है कि सोमवार से भीड़ में थोड़ी कमी आएगी और प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को कुछ राहत मिल सकती है। हालांकि, मंगलवार तक ट्रेनों में दबाव बना रहने की संभावना है।

सामान्य से ज्यादा पड़ सकती है गर्मी, तेजी से बढ़ रहा दिन और रात का तापमान

प्रयागराज। पुरवा हवाओं के जोर से तापमान में उछाल आया है। होली के बाद से रोज रात ही नहीं दिन का तापमान भी बढ़ रहा है। रविवार को अधिकतम ही नहीं रात के न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस बार सामान्य से ज्यादा पड़ सकती है।

पुरवा हवाओं के जोर से तापमान में उछाल आया है। होली के बाद से रोज रात ही नहीं दिन का तापमान भी बढ़ रहा है। रविवार को अधिकतम ही नहीं रात के न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस बार सामान्य से ज्यादा पड़ सकती है। फिलहाल ट्रफ लाइन की वजह से ताप बढ़ने के साथ धुंध भी छाई रही। इससे दृश्यता प्रभावित हुई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक प्रयागराज में धुंध की वजह से दृश्यता करीब छह सौ मीटर दर्ज की गई। 24 घंटे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है। वातावरण में नमी का स्तर असंतुलित रहा। हवाओं की गति सामान्य रही।

गर्मी सताने से लोग परेशान रहे। अभी तक पंखा चलाने से परहेज कर रहे लोग एसी और कूलर की सर्विस कराने लगे हैं। लोगों का मानना है कि अमूमन अप्रैल के मध्य में कूलर–एसी चलाने की जरूरत पड़ती है लेकिन इस बार तापमान 40 तक पहुंचा तो पहले ही कूलर–एसी चलाने पड़ेंगे।

हाईस्कूल और इंटर की फर्जी मार्कशीट बेचने वाले जालसाज को पुलिस ने दबोचा

प्रयागराज। प्रयागराज साइबर पुलिस ने हाईस्कूल और इंटर की फर्जी मार्कशीट बनाकर बेचने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मूल रूप से आजमगढ़ निवासी राजमन गोंड पुत्र कैलाशनाथ गोंड है।

गंगानाथ झा परिसर में टी.ई.आई. प्रयोगशाला का उद्घाटन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में आज दिनांक 09.03.2026 को ज्म्प् (ज्म•ज म्दबवकपदह प्दपजपंजपअम) प्रयोगशाला का वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच औपचारिक शुभारम्भ किया गया। परिसर प्रांगण में नवनिर्मित यह प्रयोगशाला डिजिटल मानविकी और भाषाविज्ञान में पाठ्य सामग्री को एक्स.एम.एल. आधारित मानक तरीके से एनकोड करने के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगी। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने टी.ई.आई. (ज्म्–ज्म•ज म्दबवकपदह प्दपजपंजपअम) प्रयोगशाला को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य प्राचीन पाण्डुलिपियों, संस्कृत एवं साहित्यिक ग्रंथों, अभिलेखों आदि को मशीन–रीडेबल रूप में संरक्षित करने, विश्लेषण करने, साझा करना एवं इन कार्यों में सहायता उपलब्ध

कराना बताया। उन्होंने टी.ई.आई. पद्धति की विशेषता से परिचित कराते हुए इस पद्धति को किसी विशेष सॉफ्टवेयर पर निर्भरता न रखते हुए एनकोडेड टेक्स्ट सामग्री (प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों, पाण्डुलिपियों, अभिलेखों इत्यादि) को लंबे समय तक संरक्षित कर उनका संग्रहण सुनिश्चित करने वाली पद्धति बताया। परिसर में टी.ई.आई. का कार्य प्रो. अपराजिता मिश्रा एवं डॉ. मोनाली दास के निर्देशन में डॉ. मंगलदेव त्रिपाठी एवं सुश्री नम्रता द्वारा सम्पादित किया जायेगा। इस अवसर पर परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. शुभश्री दास, डॉ. अज्ञजनी कुमार पुण्डरीक, अंकित मिश्र, सुश्री अश्विनी लंके, राजेश कान्त तिवारी समेत अन्य परिसरीय सदस्य एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

तिनसुकिया गोलाघाट की मार्च माह की काव्य गोष्ठी ऑफलाइन धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। मार्च माह की काव्य गोष्ठी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में रविवार को आंफलाईन रंजना बिनानी काव्या की अध्यक्षता में सरला बजाज के संचालन में उन्हीं के निवास स्थान पर धूमधाम से संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राधा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि कुसुम बजाज थी। इन्होंने महिला दिवस पर अपना वक्तव्य व भाव प्रेषित कर हमें अनुग्रहित किया। हमारा परम सौभाग्य है कि आज अंतर्राष्ट्रीय

महिला दिवस के दिन हमने ऑफलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया, और यह कार्यक्रम बहुत ही सुंदर व सुचारू रूप से संपन्न हुआ। सभी बहनों ने नारी के विभिन्न रूपों पर अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर आज समां बांध दिया। सर्वप्रथम मां शारदे को स्मरण कर कार्यक्रम की शुभ शुरुआत की गई।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर, सभी ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियां देकर आज की काव्य गोष्ठी में चार चांद लगा दिए। प्रस्तुति देने वाली....बहने.. मीना नागौरी ,सीमा सिंघी , सरला बजाज, पूनम अग्रवाल, , रंजना बिनानी, राधा बिनानी, एवं कुसुम बजाज रही।

कार्यक्रम संयोजक सरला बजाज जी द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी काव्या जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन द्वारा इस काव्य गोष्ठी का समापन किया गया।

शहर समता गोलाघाट शाखा द्वारा प्रत्येक माह काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया जाता है और हमारी सभी बहने काव्य गोष्ठी में बढ़–चढ़ के हिस्सा लेती है और कार्यक्रम को सफल बनाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर की हुई शुरुआत

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए दिया संदेश

प्रतापगढ़। बाबू संत बख्श पीजी कॉलेज सण्डवा दुबान साहबगंज में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. राकेश सिंह, प्राचार्य डॉ. आर.के. विश्वकर्मा तथा विशिष्ट अतिथि प्रशांत सिंह ने वाणी और बुद्धि की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की प्रतिमा पर संयुक्त रुप से माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत शुभिका मिश्रा द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद राधा, सेजल और मानसी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी विवेक मिश्रा एवं ज्योति पाण्डेय ने स्वयंसेवकों को समाज के लोगों के साथ मिलकर जनजागरूकता एवं समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. आर.के. विश्वकर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगों के साथ मिलकर जनहित के कार्य करते हैं।प्रबंधक डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि एनएसएस की वैचारिक अवधारणा महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित है और इसका आदर्श वाक्य मैं नहीं, बल्कि आप है। उन्होंने शिविरार्थियों को बढ़–चढ़कर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सिमरन उमरवैश्य, राका सिंह पटेल, जितेंद्र कुमार, अमित सिंह, अरुण कुमार, दिलीप सिंह, एच.एन. सिंह, शिवम सिंह तथा ग्राम प्रधान कुंवर बहादुर आदि मौजूद रहे।

भयहरण नाथ धाम में होली उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

विधायक जीत लाल पटेल के फगुवा गायन से हुआ होली उत्सव का शुभारंभ

धाम के सर्वांगीण विकास में राज्य सभा सांसद अमर पाल करेंगे प्रबन्धन का पूरा सहयोग व भागीदारी - राय साहब सिंह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में होली उत्सव का भव्य आयोजन भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा किया गया। विधायक जीत लाल पटेल के फगुवा गायन से होली उत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। मुख्य मंदिर स्थित लिंग रूप में बिराजमान भयहरण महादेव सहित धाम स्थित सभी मंदिर में सामूहिक रूप से देवी देवताओ के साथ फूलों की होली खेली गई। प्रारंभ में ही धाम के महासचिव व जिला लोकपाल समाज शेखर ने सभी का स्वागत करते हुए धाम की महत्ता व गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद अमर पाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह ने कहा की स्थानीय समाज ने धाम के विकास में सतत सराहनीय व अनुकरणीय प्रयास किया है। सांसद जी की ओर से उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रबन्ध समिति द्वारा अपेक्षित सभी जरूरी संवैधानिक व नियमानुसार होने वाले प्रस्ताव को पूर्ण कराया जायेगा। बेलखर नाथ धाम के पूर्व ब्लाक प्रमुख कृष्ण कांत मिश्र ने कहा की भयहरण नाथ धाम की गतिविधियों से समाज को दिशा देती है।

मुख्य अतिथि जीत लाल पटेल ने जहां महिला दिवस के अवसर पर विशेष प्रकाश डालते

हुए फगुवा गायन करके होली उत्सव का शुभारंभ किया। लोक गायक अजब नारायण व स्थानीय फगुवा गायको ने अपने गीतों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। दीन दयाल आजीविका मिशन की समन्वयक रंजना विश्वकर्मा ने महिला स्वावलंबन व स्वरोजगार तथा विभागीय योजना के प्रति जगरूकता पैदा की।

द्वितीय सत्र में विराट कवि सम्मेलन का सुरुचि पूर्ण आयोजन पुरातत्वविद व लोक कवि निर्झर प्रतापगढ़ी की अध्यक्षता व प्रसिद्ध जन कवि प्रकाश जी के विशेष आतिथ्य में किया गया। संचालन राज्य विश्वविद्यालय के डॉ पीयूष मिश्र पीयूष ने किया। प्रमुख रूप से वेदानंद वेद, गीतकार डॉ अशोक अग्रहरि, अमर नाथ बेजोड़, राजेश हर्षपुरी, रजिया सुल्तान, प्रशांत भरुहिया, अरुण रत्नाकर, आशा लता यादव, विवेक शर्मा व राजेश यादव आदि प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओ से सभी का स्वस्थ मनोरंजन व ज्ञानवर्धन किया।

कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व धन्यवाद ज्ञापन कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राज नारायण मिश्र, बबन सिंह, रमेश चंद्र अग्रहरि हिंद, धन श्याम गिरी, डॉ अमर बहादुर सिंह, पुलिस चौकी प्रभारी राजीव वर्मा, राजीव नयन मिश्र, राज किशोर मिश्र, संजीव मिश्र नीरज, भाऊ जी महाराज, सूर्य प्रकाश शुक्ल, दीपक जायसवाल, धर्मेंद्र पटेल, जय सिंह यादव, राकेश मिश्र, अनिल मिश्र सोनू, बालेंदु भूषण मिश्र, अमरेश तिवारी, कमलेश वैश्य, अवधेश मिश्र व संजय गौतम आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करें पत्रकार : मुनेश्वर मिश्र

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का होली मिलन कार्यक्रम हुआ संपन्न

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ महानगर इकाई का होली मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम मौज़ीस रेस्टोरेंट आनंद भवन के सामने संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता शिवेश कुमार राय जिला संरक्षक महानगर इकाई ने की मुख्य अतिथि मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय ,राष्ट्रीय संयोजक, डॉक्टर योगेंद्र कुमार मिश्र देशबंधु राष्ट्रीय महासचिव रहे कार्यक्रम का संचालन पंकज गुप्ता जिला अध्यक्ष ने किया।

कार्यक्रम में ग्रामीण एवं महानगर इकाई के पदाधिकारी मौजूद रहे कार्यक्रम का शुभारंभ शंभूनाथ श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना और उत्पल वापी की गणेश वंदना के साथ हुआ ,तत्पश्चात गायक कलाकारों के द्वारा भजन एवं होली गीतों की संगीत मय प्रस्तुति की गई।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने बताया की भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ उत्तर प्रदेश के सैंतालीस जिलों एवं देश के चौदह राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है जो पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा व सम्मान के लिए संघर्षरत है पत्रकारों के हित के लिए विभिन्न इकाइयों का गठन किया गया

है जो समय–समय पर पत्रकार साथियों को सहयोग सम्मान एवं सुरक्षा मुहैया कराती रहती है उन्होंने न्यौता प्रकोष्ठ के बारे में बताया कि जिन पत्रकार साथियों के बेटियों की शादी हेतु आर्थिक रूप से कमजोर होने के स्थिति में संगठन को बताए उन्हें भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की ओर से हरसंभव सहयोग दिलाया जाएगा इसके साथ उन्होंने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के बारे में बताया कि जिन पत्रकार साथियों को गंभीर बीमारी के इलाज हेतु कमजोर है उन्हें भी महासंघ की ओर से सार्थक सहयोग दिलाया जाएगा इसके अलावा कई अन्य प्रकोष्ठों के बारे में जानकारी दी तत्पश्चात उन्होंने नवीन पत्रकारों को शपथ दिलाते हुए सम्मान पत्र एवं मोमेंटो को देखकर सम्मानित किया

इसी क्रम में मुख्य अतिथि मुनेश्वर मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन के दौरान बताया कि पत्रकार अपनी कलम की ताकत को पहचाने क्योंकि वह चौथे स्तंभ के सजग प्रहरी है निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता कर समाज का आईना बनें ।शासन प्रशासन की चाटुकारिता ना करें निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए शासन प्रशासन के द्वारा अगर उन्हें किसी तरह से प्रताड़ित किया जाता है तो महासंघ उनके साथ खड़ा रहेगा और हर संभव सहयोग करेगा।

पत्रकारिता एक तपस्या है अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएं।

इसी क्रम में डॉ योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु, शिवेश कुमार राय और जिला अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने सभी पत्रकार आगंतुकों को होली की शुभकामनाएं देते हुए प्रयागराज इकाई के विस्तार हेतु आवाहन किया । संपादक संतोष कुमार ने सभी को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी इसके अलावा अन्य पत्रकार वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए तत्पश्चात दाल बाटी एवं नाश्ते की व्यवस्था पत्रकार महासंघ के द्वारा आयोजित की गई थी जिसे खाकर पत्रकार आनंदित हुए। उस दौरान राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवनेश उपाध्याय, के साथ साथ राजेंद्र पाण्डेय, सुशील कुमार राय, शिव प्रताप श्रीवास्तव, देवेंद्र शर्मा,विकास केलकर, हिमांशु गुप्ता उपाध्यक्ष रुझान रस्तोगी कोषाध्यक्ष, सूर्य प्रताप सिंह सचिव, दयाशंकर, केशव प्रकाश सक्सेना, प्रवीण दुबे, प्रदीप सिंह , नीरज खरे, शालिनी केसरवानी ,मान्या गुप्ता , रेनू केसरवानी,आदि अन्य पत्रकार, साहित्यकार, लेखक उपस्थित रहे।

अलीगंज में काव्य गोष्ठी, कविताओं से सजी साहित्यिक शाम

लखनऊ। अलीगंज स्थित एक निजी "स्टूडियो शटर शॉट फिल्म एंड फोटोग्राफी' में रविवार को काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के कई प्रतिष्ठित कवि–शायरों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि भूपेन्द्र सिंह "होश" रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रियंका अग्निहोत्री "गीत" ने किया, जबकि डॉ अजय वर्मा "साथी" ने संस्थापक के रूप में आयोजन की भूमिका साझा की। मुख्य अतिथि भूपेन्द्र सिंह "होश" ने अपनी पंक्तियाँ "दिलों में अब वो उल्फ़त का खजाना क्यों नहीं होता, बुलंदी पर मोहब्बत का सितारा क्यों नहीं

होता" सुनाकर खूब सराहना बटोरी। वहीं अनुज अब्र ने "मुझे मिलती भी कैसे बताओ कामयाबी, ज़रा सा झूठ बोलूँ तो लहजा कांपता है" सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही पाई। प्रो. बलवंत सिंह, डॉ सुधा मिश्रा, अम्बरीष ठाकुर, योगेंद्र मिश्रा "योगी", शाहिद सफ़र, डॉ रीमा सिन्हा, हेमा पाण्डेय और सुजीत जायसवाल सहित अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाओं से समां बांधा। कार्यक्रम में होली के रंगों और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी कविताओं की विशेष प्रस्तुति रही। आयोजन को सफल बनाने में डॉ ऋतु तिवारी, डॉ अमित अंजान, डॉ सर्वेश अग्रहरि, डॉ सुरभि श्रीवास्तव, डॉ नीरज प्रजापति सहित आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी साहित्यकारों का सम्मान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रेम एक अनुभूति

(छप्पय)

शब्दों से है परे बात कहते हैं कामिल।
प्रेम एक अनुभूति व्यक्त करना है मुश्किल।
भाषा जिसकी मौन किताबें लिख देती हैं।
खामोशी के साथ कहानी कह देती है।
मात्र एक विश्वास ही जिसकी निज पहचान है।
अश्रु–बूँद के बीच में प्यार भरी मुस्कान है।।

निश्चल है वह प्रेम शर्त बिन बातें कहता।
आजादी के साथ साथ में सबके रहता।
रिश्तो का आधार प्रेम का सागर कहके।
जोड़ रहा है बन्ध सभी का आदर करके।
पाती ने सच ही कहा पढ़िए उनके भाव को।
रखते हैं जो पास में सुखद सलोने गाँव को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार किये जाने का निर्णय लिया गया है, यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, संरचना, दिन, ठहराव एवं समय पर निम्न विवरण के अनुसार चलेगी :-

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की तिथि	
					से	तक
06021	पोत्तनूर	बरौनी	सोमवार	09.03.2026	16.03.2026	23.03.2026
06022	बरौनी	पोत्तनूर	गुरुवार	12.03.2026	19.03.2026	26.03.2026

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 531/26 (AS)

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : 75-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक 06.03.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 30.03.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

निविदा सूचना संख्या : ELG-152-2526	काम की लागत (रु में) : 5816411.55
कार्य का नाम : एसएसई/पीएस/एमजेडपी, पीसीओआई, एसबीडीआर, एमओपी और लाइन अनुभाग के तहत ईआई भवन में सौर ऊर्जा संयंत्र का प्रावधान।	
बिड सिक्योरिटी (रु. में) : 116300.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा सूचना संख्या : ELG-153-2526	काम की लागत (रु में) : 17873026.12
कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल के स्टेशनों पर स्टेशन नाम बोर्ड का प्रावधान।	
बिड सिक्योरिटी (रु. में) : 239400.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा सूचना संख्या : ELG-154-2526	काम की लागत (रु में) : 22382791.00
कार्य का नाम : प्रयागराज डिवीजन के टाइप II और III स्टाफ क्वार्टर में पावर बैकअप वायरिंग की व्यवस्था। (पैकेज-I)।	
बिड सिक्योरिटी (रु. में) : 261900.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह
निविदा खुलने की तिथि : 30.03.2026, समय : 15:00 बजे	

नोट : 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 511/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार किये जाने का निर्णय लिया गया है, यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, संरचना, दिन, ठहराव एवं समय पर निम्न विवरण के अनुसार चलेगी:-

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	संचालन का दिन	विस्तारित तिथि	
				से	तक
03257	दानापुर	आनन्द विहार (ट.)	रवि.	15.03.26	29.03.26
03258	आनन्द विहार (ट.)	दानापुर	सोम.	16.03.26	30.03.26
05219	मुजफ्फरपुर	आनन्द विहार (ट.)	शुक्र.	13.03.26	27.03.26
05220	आनन्द विहार (ट.)	मुजफ्फरपुर	शनि.	14.03.26	28.03.26
03293	पटना जं.	नई दिल्ली	प्रतिदिन	16.03.26	30.03.26
03294	नई दिल्ली	पटना जं.	प्रतिदिन	17.03.26	31.03.26
03639	धनबाद जं.	शकूर बस्ती	सोम., शुक्र.	13.03.26	30.03.26
03640	शकूर बस्ती	धनबाद जं.	मंगल., शनि.	14.03.26	31.03.26
03697	शोखपुरा जं.	आनन्द विहार (ट.)	सोम., मंगल., शुक्र., शनि.	16.03.26	30.03.26
03698	आनन्द विहार (ट.)	शोखपुरा जं.	मंगल., बुध., शनि., रवि.	17.03.26	31.03.26
02397	शोखपुरा जं.	आनन्द विहार (ट.)	रवि.	22.03.26	29.03.26
02398	आनन्द विहार (ट.)	शोखपुरा जं.	सोम.	23.03.26	30.03.26
03309	धनबाद जं.	दिल्ली जं.	मंगल., शनि.	14.03.26	28.03.26
03310	दिल्ली जं.	धनबाद जं.	बुध., रवि.	15.03.26	29.03.26

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 522/26 (ADM)

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रैफिक एवं पॉवर ब्लॉक के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों के मार्ग परिवर्तन का निर्णय लिया गया है जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	कहाँ से - कहाँ तक	वर्तमान मार्ग	परिवर्तित मार्ग (वाया)	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12311	हावड़ा जं.-कालका	खुर्जा जं.-दिल्ली जं.-पानीपत जं.-अम्बाला कैण्ट	खुर्जा जं.-मेरठ सिटी-सहारनपुर-अम्बाला कैण्ट	29.05.2026 से 03.06.2026
12312	कालका-हावड़ा जं.	अम्बाला कैण्ट-पानीपत जं.-दिल्ली जं.-खुर्जा जं.	अम्बाला कैण्ट-सहारनपुर-मेरठ सिटी-खुर्जा जं.	30.05.2026 से 04.06.2026
18101	टाटानगर जं.-जम्मू तवी	खुर्जा जं.-दिल्ली जं.-पानीपत जं. अम्बाला कैण्ट	खुर्जा जं.-मेरठ सिटी-सहारनपुर-अम्बाला कैण्ट	29.05.2026, 31.05.2026, 03.06.2026
18102	जम्मू तवी-टाटानगर जं.	अम्बाला कैण्ट-पानीपत जं.-दिल्ली जं.-खुर्जा जं.	अम्बाला कैण्ट-सहारनपुर-मेरठ सिटी-खुर्जा जं.	30.05.2026, 01.06.2026, 03.06.2026
18309	सम्बलपुर जं.-जम्मू तवी	खुर्जा जं.-दिल्ली जं.-पानीपत जं. अम्बाला कैण्ट	खुर्जा जं.-मेरठ सिटी-सहारनपुर-अम्बाला कैण्ट	30.05.2026, 01.06.2026, 02.06.2026
18310	जम्मू तवी-सम्बलपुर जं.	अम्बाला कैण्ट-पानीपत जं.-दिल्ली जं.-खुर्जा जं.	अम्बाला कैण्ट-सहारनपुर-मेरठ सिटी-खुर्जा जं.	31.05.2026, 02.06.2026, 04.06.2026
15708	अमृतसर जं.-कटिहार जं.	अम्बाला कैण्ट-पानीपत जं.-दिल्ली जं.-खुर्जा जं.	अम्बाला कैण्ट-सहारनपुर-मेरठ सिटी-खुर्जा जं.	06.06.2026
14218	चण्डीगढ़ जं.-प्रयागराज संगम	अम्बाला कैण्ट-पानीपत जं.-दिल्ली जं.-खुर्जा जं.	अम्बाला कैण्ट-सहारनपुर-मेरठ सिटी-खुर्जा जं.	06.06.2026

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 528/26 FA

विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ी संख्या: 07337/07338 हुब्बल्लि - गाजीपुर सिटी विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 07337 हुब्बल्लि - गाजीपुर सिटी			गाड़ी सं. 07338 गाजीपुर सिटी - हुब्बल्लि	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	18:15	हुब्बल्लि	23:55	-----
03:10	03:15	वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी	18:30	18:35
04:33	04:35	उरई	16:10	16:12
05:13	05:15	पुखरायाँ	15:25	15:27
08:20	08:25	कानपुर सेंट्रल	14:10	14:20
11:00	11:05	प्रयागराज जं.	11:00	11:05
16:15	----	गाजीपुर सिटी	-----	05:45

हुब्बल्लि से: रेलगाड़ी सं. 07337 (सोमवार) को दिनांक 09.03.2026 से 30.03.2026. गाजीपुर सिटी से: रेलगाड़ी सं. 07338 (गुरुवार) को दिनांक 12.03.2026 से 26.03.2026. गाड़ी संरचना: वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 06, स्लीपर श्रेणी: 10, सामान्य श्रेणी: 03

नोट:- ट्रेन से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 524/26(DG)

सम्पादकीय.....

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026–27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश–दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार–बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025–26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दर्शाती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं। उन परिवारों में जहां एक ही मोबाइल फोन का परिवार के अन्य सदस्य भी उपयोग करते हैं, वहां प्रतिबंध ा की व्यावहारिकता पर सवाल लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिये सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध ा लागू है। वहीं दूसरी ओर फ्रांस जैसे अन्य देश भी सख्त डिजिटल सुरक्षा नियमों को लागू करने को लेकर गंभीर हैं। इसमें दो राय नहीं कि बच्चों को बेहतर डिजिटल सुरक्षा दी जानी जरूरी है, लेकिन केवल नियमन मात्र से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है। इस दिशा में सार्थक परिवर्तन सरकारों, स्कूलों, तकनीकी प्लेटफॉर्मों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अभिभावकों के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा। हालांकि, किशोरों को सोशल मीडिया की विकृतियों से बचाने के लिये तात्कालिक पहल केंद्र सरकार की तरफ से की जाती तो उसका देशव्यापी प्रभाव होता। लेकिन इसके बावजूद यदि कर्नाटक व आंध्र प्रदेश ने इस दिशा में पहल की है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा ले सकेंगे। फिर निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधा ान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए

ईरान युद्धः भारत के लिए आगे राह खतरों भरी

मनीष तिवारी

ईरान के विरुद्ध अमरीकी–इसराईली हमले, एक और क्षेत्रीय भड़कन होने के अलावा, यूरेशियाई भू–राजनीतिक और आर्थिक संरचना के लिए एक 'प्रणालीगत झटके' के रूप में आए हैं। नई दिल्ली के लिए, यह संकट एक 'पूर्ण तूफान' की शक्ति के साथ उतरा है, जो इसकी रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक लचीलेपन की कड़ी परीक्षा ले रहा है। सबसे तात्कालिक और गहरा प्रभाव व्यापक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, जो इसके ऊर्जा आयात की कीमत और संरचना के माध्यम से निर्देशित होता है। भारत अपने कच्चे तेल का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, जिसका लगभग आधा ऐतिहासिक रूप से पश्चिम एशिया से प्राप्त होता है, जो इसे बेहद संवेदनशील बनाता है। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल सीधे भारत के चालू खाता घाटे (कैड) को बढ़ाता और रुपए पर अवमूल्यन का दबाव डालता है, जिससे केंद्र सरकार के प्रबंधनीय राजकोषीय गणित का दायरा बढ़ जाता है। हालांकि, तेल व्यवधान का केवल आयतनात्मक विश्लेषण इसके गहरे और अधिक घातक खतरे को समझने में चूक जाता है। खतरा केवल मात्रा का नहीं बल्कि गुणवत्ता का है। ईरानी लाइट क्रूड, अपनी 33.36 डिग्री की इष्टतम ए.पी.आई. ग्रैविटी और मध्यम सल्फर सामग्री के साथ, वैश्विक रिफाइनिंग मैट्रिक्स में एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह वह आदर्श मिश्रण है, जिसके लिए वैश्विक रिफाइनरियां, विशेष रूप से डीजल और गैसोलीन जैसे मध्यम डिस्टिलेट की पैदावार को अधिकतम करने के लिए डिजाइन की गईं, अनुकूलित की गई हैं। यह क्षेत्र भारतीय इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और बासमती चावल के लिए एक बड़ा बाजार है। बढ़ते संघर्ष ने पहले ही उन समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है, जिनसे इस व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। माल ढुलाई और बीमा लागत आसमान छू गई है, जिससे कई शिपमैंट अलाभकारी हो गए हैं और देरी के कारण खराब होने वाले सामान बर्बाद हो रहे हैं तथा अनुबंध की समय–सीमा का उल्लंघन हो रहा है। 'लैटर ऑफ क्रैडिट' पर बातचीत करना कठिन होता जा रहा है। इसके साथ ही, खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) देशों में केंद्रित छह मिलियन मजबूत भारतीय प्रवासियों से मिलने वाली 60 बिलियन डॉलर की वार्षिक प्रेषण जीवनरेखा खतरे में पड़ गई है। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष–प्रेरित मंदी, जो तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव और निवेशकों के पलायन से संचालित होगी, सीधे ा भारतीय प्रवासी पेशेवरों और ब्लू–कॉलर श्रमिकों के लिए नौकरियों के नुकसान और वेतन कटौती में बदल जाएगी। जी.सी.सी. का स्थिरता का मुखौटा उतर गया है, जिससे यह कठोर सुरक्षा वास्तविकता उजागर हो गई है कि उनका आध्थक विविध ीकरण, जैसे कि मैगा–प्रोजेक्ट्स, 'नियोम' जैसे भविष्य के शहर, पर्यटन गोल्डन वीजा, एक ऐसी नींव पर बने हैं जिसे अब वैश्विक संस्थागत पूंजी द्वारा 'नंगी तलवार' के रूप में देखा जा सकता है। अमरीकी ठिकानों के पास ईरानी जवाबी हमलों ने पुष्टि की है कि जी.सी.सी. का सुरक्षा छत्र छिद्रपूर्ण है। फिर भी, खाड़ी अरब देशों को निष्क्रिय पीड़ितों के रूप में चित्रित करना कपटपूर्ण होगा। तेल अवीव के अलावा, जी.सी.सी. देश भी ईरान की परमाणु प्रगति और उसके प्रॉक्सी नैटवर्क से गहरे चिंतित थे। उनके आकलन में, ईरान के कार्यक्रम को एक निर्णायक, भले ही अस्थिर करने वाला झटका, परमाणु छाया के तहत अपनी सुरक्षा के धीरे–धीरे क्षरण से बेहतर था। जिस भी हद तक और जिस भी उद्देश्य के लिए उन्होंने सैन्य ठिकानों को आवास देकर और ओवरफ्लाइट अधिकार प्रदान करके अमरीका और उसके ईरान विरोधी अभियान को सुगम बनाया, वे उस संकट के 'सह–वास्तुकार' हैं, जो अब उनकी अर्थव्यवस्थाओं को निगलने की धमकी दे रहा है। एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से, ये हमले एक ऐसी शक्ति के कार्य हैं जो रोकने या समाधान करने की बजाय बाधित करना चाहती है। अराजकता बोकर और ईरानी प्रतिशोध की सीमा को बढ़ाकर, वाशिंगटन यह गणना कर सकता है कि यह उसके प्राथमिक प्रतिस्पध्यर्यों–चीन और कुछ हद तक रूस–के लिए रणनीतिक माहौल को जटिल बनाता है, जिन्होंने तेहरान के साथ अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को गहरा किया है। यह उन एशियाई और यूरोपीय शक्तियों के लिए 'बिल्लियों के बीच कबूतर छोडने' (खलबली मचाने) की रणनीति है, जो फारस की खाड़ी के ऊर्जा प्रवाह और व्यापार मार्गों की स्थिरता पर निर्भर हैं। भारत के लिए राजनयिक संतुलन बनाना अब अत्यंत कठिन है। भारत बलपूर्वक शासन परिवर्तन के सिद्धांत और जबरन शांति के त्रुटिपूर्ण आधार को स्वीकार नहीं कर सकता। रणनीतिक रूप से, इस संघर्ष ने भारत की 2 सबसे महत्वपूर्ण कनैक्टिविटी पहलों को करारा झटका दिया है। चाबहार बंदरगाह परियोजना अब 'मृत–प्राय' दिखाई देती है, जो एक रणनीतिक अवसर प्रतिस्पधियों के हाथों में चला गया है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आध्थक गलियारा तार–तार हो गया है।

भारत के लिए आगे की राह खतरों से भरी है। यू.ए.ई. के साथ बातचीत किया गया ए.एफ.टी. और जी.सी.सी. के साथ बातचीत के तहत चल रहा समझौता अब एक कमतर संदर्भ में काम कर रहे हैं, उनकी क्षमता व्यापार व्यवधान और आर्थिक संकुचन के कारण कमजोर हो गई है। बाजार पहुंच बढ़ाने के सकारात्मक पहलुओं के विपरीत, उन व्यापारिक मार्गों का पक्षाघात है, जिन्हें सुगम बनाने के लिए ये समझौते किए गए थे।

जोखिम भी कम नहीं करिश्माई तकनीक के

एशिया की नजर से देखें, तो इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को भारत इसलिए उपलब्धि मान सकता है कि एक उभरती हुई तकनीक में वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करते हुए देश ने समय के साथ तेज कदमताल करने का साहस दिखाया। एक ऐसे समय में, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकियों पर यह तोहमत है कि वे दुनिया भर की नौकरियों के लिए काल बन रही हैं और नैतिकता के प्रश्न इस तकनीक से संबंधित सवालों के शीर्ष पर हैं। इस सम्मेलन के आयोजन को तकनीक से बाहर के कई सवालों पर विचार–मंथन का मंच कहा जा सकता है। यह बात दीगर है कि कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले। ऐसा हो भी नहीं सकता, क्योंकि यह तकनीक और इससे जुड़ी सुविध ाएं–दुविधाएं नयी हैं। धीरे–धीरे ही इससे जुड़े कई मसलों का हल सामने आएगा। जहां तक इस सम्मेलन की सफलता का सवाल है, तो इसके दो स्पष्ट छोर दिखे। एक छोर पर उत्साह और जिज्ञासा थी। दावा है कि अमेरिका के बाद भारत का एआई उपभोक्ता वर्ग सबसे बड़ा है। इसकी झलक सम्मेलन के पंडाल के अंदर–बाहर मौजूद भीड़ के रूप में मिली। जो संकेत थी कि भारत में कितने अधिक लोग एआई के बारे में जानने–समझने और इसे आजमाने के लिए उत्सुक हैं। दूसरे छोर पर गड़बड़ियां दिखीं। पहली गड़बड़ी वीआईपी हस्तियों के आवागमन के दौरान सम्मेलन में हिस्सा लेने आए लोगों, जानकारों और तकनीक के प्रदर्शकों को ही हॉल से बाहर करने से संबंधित थी। इस समस्या से पार पाया गया, तो एक निजी विश्वविद्यालय के चीन–निर्मित एआई रोबोट को अपना आविष्कार बताने के दावे ने जगहंसाई करा दी। हालांकि एक वैश्विक आयोजन में ऐसी समस्याएं पैदा होना स्वाभाविक है। इन घटनाओं से सबक लेकर दूसरे ऐसे आयोजनों में सावध ाानियां बरती जा सकती हैं। लेकिन प्रमुख सवाल है कि क्या इसके बावजूद सम्मेलन को सफल माना जा सकता है? एआई में देश के रूप में भारत कई उम्मीदें जगाता है। विशाल युवा आबादी वाले वर्ग की इसमें बड़ी भूमिका है। क्योंकि इस आबादी में बहुत बड़ा हिस्सा उनका है, जो तकनीक के मामले में शिक्षित हैं और सूचना–प्रौद्योगिकी क्षेत्र के वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय दखल रखते हैं। सत्या नडेला से लेकर सुंदर पिचाई तक भारतीय युवा पेशेवरों की लंबी लिस्ट है जो साबित करती है कि कंप्यूटर–आईटी के मामले में हमारी प्रतिभाओं का कोई सानी नहीं। आईटी के बाद इंटरनेट की दुनिया में जब से एआई की चर्चा चली है, यह दावा भी किया जाने लगा था कि इसमें भी भारतीय पेशेवर आगे रहेंगे। हालांकि एआई का यह नया दौर अभी शैशवावस्था में है, अभी यह कहना प्रासंगिक नहीं होगा। वजह यह कि अपने नए रूप–रंग में आते ही एआई को तकरीबन हर दूसरे क्षेत्र (सेक्टर) की नौकरियों का काल माना जाने लगा है। दूसरी समस्या है कि अभी एनवीडिया और ओपनएआई समेत जो एआई कंपनियां धाक जमा पाई हैं, उनमें से ज्यादातर अमेरिकी हैं। या फिर डीपसीक जैसी पहलकदमियों के बल पर चीन बड़ा मैदान मारने की कोशिश में है। मामला असल में इनोवेशन का है, जिसमें भारत को दांव आजमाना चाहिए। लेकिन इस मोर्चे पर अभी हमारा देश कुछ ठोस खोजने में कामयाब नहीं रहा। शायद यही वजह कि इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भारत ने एआई के प्रति अमेरिका की उदासीन नीतियों का आसानी से समर्थन कर दिया। इसकी वजह यही समझ में आती है कि जिन लोगों, संस्थाओं और संगठनों के कंधों पर देश में एआई से संबंधित नवाचार करने की जिम्मेदारी है, उनके पास कुछ नया कहने–सुनने व करने को नहीं है। अभी कोई स्वदेशी कंपनी चौटजीपीटी से आगे की एआई तकनीक का कोई मॉडल नहीं सुझा पाई। इसके बरक्स भारत की सर्वम एआई के चौटजीपीटी सरीखे विकल्प एआई चौट ऐप 'इंडस ' को रखें, उसका नाम बहुतेरे लोगों ने नहीं सुना। भारत ने सर्वम के अलावा दो अन्य एआई मॉडल भी दुनिया के सामने रखे–ज्ञानी और भारतजेन। लेकिन ये दोनों मॉडल अभी आमजन के लिए अपरिचित हैं। यह सब तब है, जब भारत एआई को सबसे ज्यादा डेटा मुहैया कराता है। यहां डेटा सेंटरों की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। इसलिए एआई के इस दौर में ज्यादा जरूरत नई जमीनें तोड़ने की है, ताकि इसकी शक्ति का सही और सतर्क इस्तेमाल किया जा सके।

भयहरण नाथ धाम में होली उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

विधायक जीत लाल पटेल के फगुवा गायन से हुआ होली उत्सव का शुभारंभ

धाम के सर्वांगीण विकास में राज्य सभा सांसद अमर पाल करेंगे प्रबन्धन का पूरा सहयोग व भागीदारी – राय साहब सिंह

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में होली उत्सव का भव्य आयोजन भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा किया गया। विधायक जीत लाल पटेल के फगुवा गायन से होली उत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। मुख्य मंदिर स्थित लिंग रूप में बिराजमान भयहरण महादेव सहित धाम स्थित सभी मंदिर में सामूहिक रूप से देवी देवताओ के साथ फूलों की होली खेली गई। प्रारंभ में ही धाम के महासचिव व जिला लोकपाल समाज शेखर ने सभी का स्वागत करते हुए धाम की महत्ता व गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद अमर पाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह ने कहा की स्थानीय समाज ने धाम के विकास में सतत सराहनीय व अनुकरणीय प्रयास किया है। सांसद जी की ओर से उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रबन्ध समिति द्वारा अपेक्षित सभी जरूरी संवैधानिक व नियमानुसार होने वाले प्रस्ताव को पूर्ण कराया जायेगा। बेलखर नाथ धाम के पूर्व ब्लाक प्रमुख कृष्ण कांत मिश्र ने कहा की भयहरण नाथ धाम की गतिविधियों से समाज को दिशा देती है। मुख्य अतिथि जीत लाल पटेल ने जहां महिला दिवस के अवसर पर विशेष प्रकाश डालते हुए फगुवा गायन करके होली उत्सव का शुभारंभ किया। लोक गायक अजब नारायण व स्थानीय फगुवा गायको ने अपने गीतों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। दीन दयाल आजीविका मिशन की समन्वयक रंजना विश्वकर्मा ने महिला स्वावलंबन व स्वरोजगार तथा विभागीय योजना के प्रति जगरूकता पैदा की।

द्वितीय सत्र में विराट कवि सम्मेलन का सुरुचि पूर्ण आयोजन पुरातत्वविद व लोक कवि निर्झर प्रतापगढ़ी की अध्यक्षता व प्रसिद्ध जन कवि प्रकाश जी के विशेष आतिथ्य में किया गया। संचालन राज्य विश्वविद्यालय के डॉ पीयूष मिश्र पीयूष ने किया। प्रमुख रूप से वेदानंद वेद, गीतकार डॉ अशोक अग्रहरि, अमर नाथ बेजोड़, राजेश हर्षपुरी, रजिया सुल्तान, प्रशांत भरुहिया, अरुण रत्नाकर, आशा लता यादव, विवेक शर्मा व राजेश यादव आदि प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाओ से सभी का स्वस्थ मनोरंजन व ज्ञानवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व धन्यवाद ज्ञापन कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राज नारायण मिश्र, बबन सिंह, रमेश चंद्र अग्रहरि हिंद, धन श्याम गिरी, डॉ अमर बहादुर सिंह, पुलिस चौकी प्रभारी राजीव वर्मा, राजीव नयन मिश्र, राज किशोर मिश्र, संजीव मिश्र नीरज, भाऊ जी महाराज, सूर्य प्रकाश शुक्ल, दीपक जायसवाल, धर्मेंद्र पटेल, जय सिंह यादव, राकेश मिश्र, अनिल मिश्र सोनू, बालेंदु भूषण मिश्र, अमरेश तिवारी, कमलेश वैश्य, अवधेश मिश्र व संजय गौतम आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बालेन शाह से नेपाल को ढेर सारी उम्मीदें

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल का चुनाव परिणाम दुनिया के उन तमाम देशों के शासकों को एक सबक है, जो राष्ट्र को अपनी जागीर समझ कर शासन चलाने की भूल कर रहे हैं। भारत के पड़ोसी इस नन्हें राष्ट्र का चुनाव परिणाम युवा शक्ति के बदलाव की दृढ़ इच्छाशक्ति का नतीजा है, जहां उनमें पलायन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के बच्चों तक ही सीमित सुख और अय्याशी पूर्ण जीवनशैली के खिलाफ आग धधक रही थी, जिसकी लपटों में नेपाल की एक से एक पुरानी पार्टियां जलकर राख हो गईं। नेपाल से कम्युनिस्ट पार्टियों का खात्मा भारत के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। सत्ता में आ रही राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को शहरी प्रभाव वाली पार्टी कहकर इसके सीमित क्षेत्रों तक सिमटने और 4 बार के प्रधानमंत्री ओली को धूल चटाते हुए ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीते काठमांडू के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री का चेहरा रहे बालेन शाह को कड़े मुकाबले में फंसना बताया जा रहा था। राजनीतिक विश्लेषकों के सारे के सारे अनुमान धरे के धरे रह गए। चुनाव नतीजों में हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिल रही शानदार बढ़त से यह साफ हो गया है कि राजशाही खत्म होने के बाद नेपाल को पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब होने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने ने बालेन शाह को पार्टी में शामिल होते ही प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया था। रवि लामी नई सरकार में गृहमंत्री होंगे, यह भी तय है। सरकार गठन के पूर्व उन्होंने राजनीतिक दलों से 40 साल का हिसाब लेने का बयान देकर पुराने राजनीतिक दलों में खलबली मचा दी है। उनका यह बयान भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुली जंग के ऐलान के रूप में देखा जा रहा है। ओली सरकार में बहुत कम दिनों तक गृहमंत्री रहे रवि लामी छाने की छवि एक सख्त गृहमंत्री की उभर कर जनता के सामने आई थी। उन्होंने एक से एक राजनीतिक भ्रष्टाचार को उजागर कर जनता में अपनी छवि ईमानदार नेता की बना ली थी। अमरीकी पृष्ठभूमि के रवि लामी छाने का रुख भारत के प्रति कैसा होता है यह देखना दिलचस्प होगा। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अमरेश सिंह ने चुनाव परिणाम में पार्टी की बढ़त के बीच काठमांडू में मीडिया के सवालों के जवाब में साफ कहा कि भारत से मधुर संबंध को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उसे साथ लेकर नेपाल को आगे बढ़ाएंगे। लेकिन बालेन शाह हैं तो चीन के खिलाफ लेकिन भारत के प्रति उनके रुख को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है क्योंकि बतौर मेयर उनका अपने कक्ष में ग्रेटर नेपाल का लगाया मानचित्र भारत को खटकता रहा, क्योंकि इस नक्शे में भारत के कई इलाकों को नेपाली भू–क्षेत्र दर्शाया गया है। खैर अब वह एक ऐसे राष्ट्र के प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं, जिसका संबंध भारत से केवल खानापूर्ति जैसा नहीं, दोनों के बीच रोटी–बेटी का सदियों पुराना रिश्ता तो है ही, दोनों देश भौगोलिक, रीति–रिवाज और सांस्कृतिक सभ्यता की दृष्टिकोण से भी एक–दूसरे से जुड़े हैं। बालेन शाह से नेपाल के युवाओं और महिलाओं को काफी उम्मीदें हैं। वे जेन जी आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे। आज उनकी इस बात को लेकर तारीफ हो रही है कि जो शख्स नेपाल की दुश्वारियों को भांप कर सरकार अपदस्थ करने का माद्दा रखता हो, उसके द्वारा सरकार चलाने में किसी संशय की गुंजाइश नहीं है। बालेन शाह सरकार के कामकाज के तरीकों पर दुनिया की नजर रहना स्वाभाविक है। इस पार्टी के दो प्रमुख चेहरे बालेन शाह और रवि लामी छाने की कोई लंबी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है।

मधुबाला बायोपिक में कियारा आडवाणी की एंट्री की खबरें गलत, इंडस्ट्री सूत्रों ने किया खंडन

> सूत्र का कहना है, इन खबरों में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है कि कियारा आडवाणी को भंसाली की मधुबाला बायोपिक में कास्ट किया गया है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।

लीजेंडरी स्क्रीन आइकन मधुबाला की बायोपिक को लेकर इंटरनेट पर काफी खबरें उड़ रही थीं। ऐसी रिपोर्ट्स आ रही थीं कि कियारा आडवाणी इस फिल्म में लीड रोल निभाएंगी और संजय लीला भंसाली इसके प्रोड्यूसर होंगे। हालांकि, अब इंडस्ट्री के सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताते हुए खारिज कर दिया है। इंडस्ट्री के एक सूत्र ने साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी और संजय लीला भंसाली के मधुबाला बायोपिक से जुड़ने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। सूत्र का कहना है, इन खबरों में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है कि कियारा आडवाणी को भंसाली की मधुबाला बायोपिक में कास्ट किया गया है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। मधुबाला के लेजेंडरी स्टेटस और उनकी विरासत को देखते हुए, इन अफवाहों ने लोगों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी। हालांकि, सूत्र ने फिर से इस बात पर जोर दिया है कि कियारा आडवाणी का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना महज एक अटकलबाजी है और फिलहाल ऐसी कोई भी प्लानिंग नहीं चल रही है।

`धुरंधर द रिवेंज' के ट्रेलर में छाए रणवीर सिंह, फैंस बोले-इस जनरेशन के बेस्ट एक्टर

रणवीर सिंह एक बार फिर अपनी दमदार एक्टिंग से सुर्खियों में हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मच गया है। ट्रेलर में रणवीर का पावरफुल अंदाज, इंटेंस एक्सप्रेशन और जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस देखकर फैंस बेहद एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। इस फिल्म के पहले पार्ट 'धुरंधर' में रणवीर ने 'हमजा' का किरदार निभाया था, जिसने थिएटर्स में जबरदस्त धमाल मचाया था। उनकी दमदार परफॉर्मेंस और किरदार की गहराई ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। ट्रेलर में रणवीर सिंह एक बार फिर अपने खतरनाक और इंटेंस अवतार में नजर आ रहे हैं। इस बार वह 'हमजा' के साथ–साथ कैप्टन जसकीरत सिंह रांगी के किरदार में भी बेहद दमदार दिखाई दे रहे हैं। उनका नया लुक, तीखी निगाहें और एक्शन से भरपूर अंदाज ट्रेलर के हर फ्रेम को और भी प्रभावशाली बना देता है। ट्रेलर देखकर साफ लग रहा है कि इस बार कहानी पहले से कहीं ज्यादा बड़ी, गहरी और बदले की आग से भरी हुई होने वाली है। ट्रेलर देखकर फैंस बोले दृ श्रणवीर की एक और मास्टरक्लास ट्रेलर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने रणवीर की तारीफ करते हुए लिखा, रणवीर सिंह की तरफ से एक्टिंग की एक और मास्टरक्लास। वहीं एक अन्य फैन ने लिखा कि 19 तारीख के बाद रणवीर सिंह को बॉलीवुड का असली किंग माना जाएगा। कई यूजर्स ने रणवीर की एक्सप्रेसिव एक्टिंग की भी जमकर तारीफ की। एक फैन ने लिखा कि उनकी आंखें ही पूरे किरदार के जज्बात बयां कर देती हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। ट्रेलर का एक खास इमोशनल सीन भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। इस सीन में कैप्टन जसकीरत सिंह रांगी का टूटा हुआ और कमजोर पल दिखाया गया है, जिसे देखकर फैंस काफी भावुक हो गए। एक यूजर ने इस सीन पर रिएक्ट करते हुए लिखा कि रणवीर की आंखों में दिखता दर्द और बिखरी हुई जिंदगी इस बदले की कहानी की असली शुरुआत का एहसास कराती है। रणवीर सिंह के फैंस उनके टैलेंट की तारीफ करते नहीं थक रहे। कई यूजर्स ने उन्हें इस जनरेशन का बेस्ट एक्टर तक बता दिया। एक फैन ने लिखा, रणवीर सिंह इस जनरेशन के बेस्ट एक्टर हैं। सच कहूं तो कोई भी उनके आस–पास तक नहीं आता। वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि सिर्फ दो फ्रेम ही यह साबित करने के लिए काफी हैं कि रणवीर सिंह कितने शानदार अभिनेता हैं। फिल्म के ट्रेलर से साफ है कि इस बार कहानी और एक्शन दोनों ही बड़े स्तर पर देखने को मिलेंगे। ।कपजलं कींत के निर्देशन में बनी यह फिल्म बदले और इमोशन से भरपूर एक दमदार स्पाई–थ्रिलर बताई जा रही है। 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और ट्रेलर के बाद से ही दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।

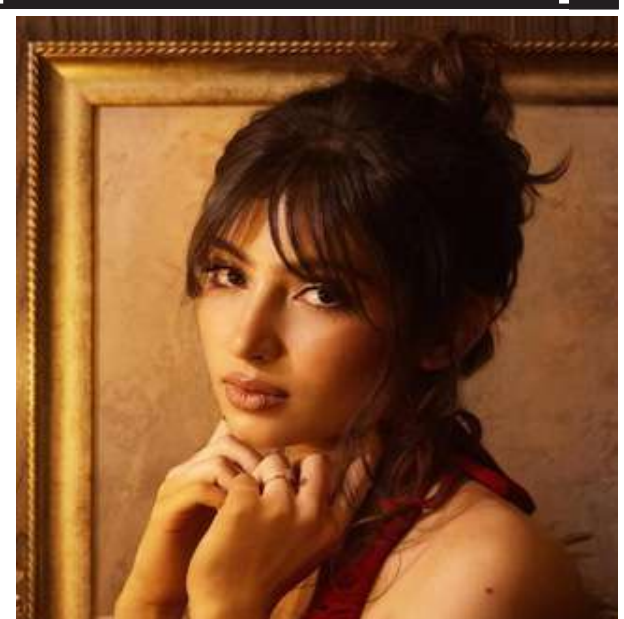

क्या 'धुरंधर' के बाद सारा अर्जुन 'हीर रांझा' में आएंगी नजर? कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने किया खुलासा

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडिया में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। इस बीच सारा अर्जुन के नाम काफी चर्चाएं चल रही थीं कि वे फीमेल लीड के तौर पर नजर आ सकती हैं, जिसपर अब मुकेश छाबड़ा ने बड़ा खुलासा किया है। 'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। बीते कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में सारा अर्जुन के नाम पर काफी चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन अब कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने इन सभी अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर लिखा, 'सारा अर्जुन ने अभी कोई दूसरी फिल्म साइन नहीं की है। हम बस 'व2' (धुरंधर पार्ट 2) का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कोई फिल्म साइन नहीं की है और किसी भी प्रोजेक्ट को लेकर किसी से मुलाकात भी नहीं की है। इसलिए प्लीज रिलैक्स करें। मैं खुद आपको उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दूंगा। तब तक इंतजार करें, बाकी जो खबरें चल रही हैं वो सिर्फ अफवाह हैं।' वर्क फ्रंट की बात करें तो सारा अर्जुन जल्द ही 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज होने वाली है। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

'रॉकस्टार' में हीर की मौत नहीं दिखाना चाहते थे इम्तियाज अली, किया बड़ा खुलासा, कहा– 'चाहता था हीर जिंदा रहे'

फिल्म 'रॉकस्टार' आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार लव स्टोरी में से एक मानी जाती है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी की जोड़ी ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी थी। लेकिन फिल्म के अंत में हीर की मौत ने कई लोगों को भावुक कर दिया था। अब फिल्म के डायरेक्टर इम्तियाज अली ने हाल ही में एक फैन मीटअप के दौरान बताया कि उन्होंने कहानी में हीर की मौत क्यों दिखाई। इम्तियाज अली के मुताबिक, फिल्म की शुरुआती कहानी का रुख काफी अलग था। लेकिन एक बड़ा झटका तब लगा जब जो स्क्रिप्ट उन्होंने पहले लिखी थी, वो कहीं खो गई। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता था कि हीर जिंदा रहे। 'रॉकस्टार' के लिए मेरे मन में कई अलग–अलग चीजें थीं। दरअसल मैंने पूरी स्क्रिप्ट का एक ड्राफ्ट लिख लिया था, लेकिन दुर्भाग्य से वह खो गया। कई साल बाद जब मुझे 'रॉकस्टार' बनाने का मौका मिला, तो मैंने उसे ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मिला। वह कंप्यूटर में भी नहीं था।' जब इम्तियाज दोबारा फिल्म की कहानी लिखने बैठे, तो उन्होंने बताया कि कहानी अपने–आप एक अलग दिशा में जाने लगी। इसी दौरान हीर के किरदार का दुखद पहलू सामने आया, क्योंकि वह मशहूर पंजाबी प्रेम कहानी हीर–रांझा से काफी प्रेरणा ले रहे थे। उन्होंने बताया कि उसी कहानी के प्रभाव ने फिल्म के अंत को भी तय किया और आखिर में वही इमोशनल क्लाइमैक्स बना जो दर्शकों ने स्क्रीन पर देखा। इम्तियाज ने कहा, 'फिर मैंने इसे दोबारा लिखा। इस बार जब मैं लिख रहा था तो पता नहीं क्या हुआ, लेकिन कहानी के आखिर तक आते–आते हीर नहीं रही। मुझे लगता है ऐसा इसलिए भी हुआ क्योंकि मैं 'हीर–रांझा' से काफी प्रभावित था। यही वजह है कि लड़की का नाम हीर रखा गया ।

तारे जमीन पर अभिनेता दर्शील सफारी की हुई नई फिल्म में एंट्री, साथ नजर आएंगे मोहित रैना और प्रियामणि

दर्शील सफारी अब मोहित रैना और प्रियामणि के साथ एक नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म में काम करने जा रहे हैं। यह फिल्म भारत और हॉलीवुड के बीच सहयोग की एक बड़ी मिसाल है। यह फिल्म पहचान, परिवार और संस्कृति जैसे विषयों पर आध ाारित हो सकती है। तारे जमीन पर से मशहूर हुए दर्शील सफारी अपनी नई फिल्म में एक बहुत महत्वपूर्ण और भावुक भूमिका निभाएंगे। कथित तौर पर दर्शील के लिए यह भूमिका निभाना उनके करियर के लिए बहुत खास होगी। दर्शील का किरदार फिल्म में भारत और विदेश के बीच भावनाओं का पुल बनेगा। बहरहाल, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसे मुंबई की कंपनी एज्योर एंटरटेनमेंट और अमेरिका की रेड बाइसन प्रोडक्शंस मिलकर बना रही हैं। एज्योर एंटरटेनमेंट ने बदला, केसरी और रॉकी हैंडसम जैसी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म में मोहित रैना और प्रियामणि पहली बार साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को हर्ष महादेश्वर ने लिखा है। इसका निर्देशन भी हर्ष करेंगे। फिल्म अभी प्री–प्रोडक्शन में है और इस साल के आखिर कर फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। दर्शील सफारी ने अपनी इस फिल्म को लेकर कहा, यह कहानी मुझे बहुत छू गई है। यह साहस, संवेदना और जीवन के फैसलों के बारे में है। मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं, क्योंकि यह कहानी दुनिया भर के लोगों की भावनाओं से जुड़ती है। मोहित रैना ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के करीब है।

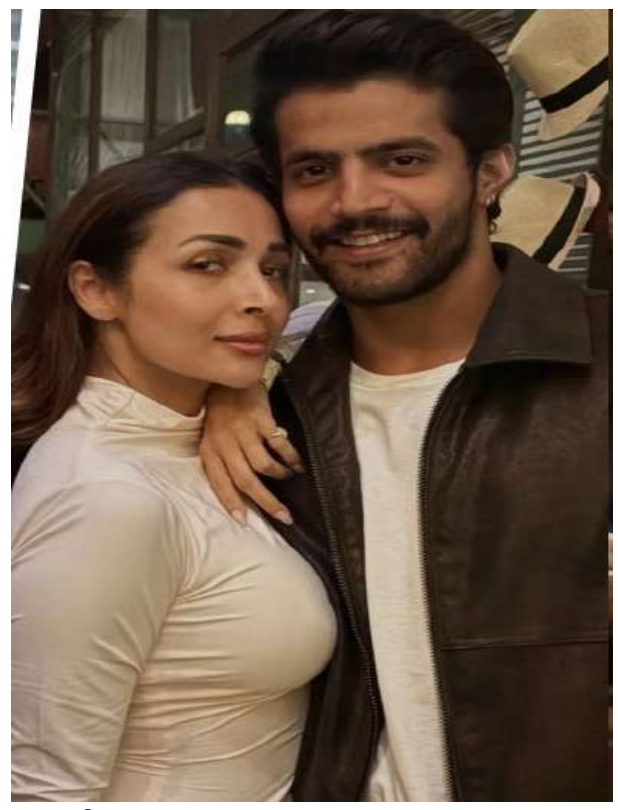

हर्ष मेहता के बाद नए एक्टर के साथ नजर आई मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा की पर्सनल लाइफ हमेशा सुर्खियों में रही है। कुछ महीनों से एक्ट्रेस हीरा व्यापारी हर्ष मेहता के साथ अपने रिलेशनशिप की अफवाहों की वजह से चर्चा में हैं। कुछ हफ्ते पहले, रोम से उनकी एक तस्वीर भी वायरल हुई थी और नेटिजन्स ने अंदाजा लगाया था कि दोनों वहां एक साथ वैलेंटाइन डे मना रहे थे। मलाइका ने एक बार फिर एक वायरल वीडियो से सबका ध्यान खींचा है। वायरल वीडियो में मलाइका अरोड़ा स्प्लिट्सविला कंटेस्टेंट सोराब बेदी के साथ डांस करती दिख रही हैं। उनका यह वीडियो वायरल हो गया है। सोराब के साथ मलाइका की केमिस्ट्री की अफवाहें गर्म हैं। नेटिजन्स को लगता है कि शायद सोराब, मलाइका के नए बॉयफ्रेंड हैं। इस मामले पर दोनों की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच कोई रोमांस नहीं चल रहा है। सोराब हाल ही में एक्ट्रेस के नए रेस्टोरेंट में एक पार्टी में गए थे। यह वीडियो उसी पार्टी का बताया जाता है। सोराब ने पार्टी की तस्वीरें शेयर की थी। मलाइका और हर्ष एक कॉन्सर्ट में साथ नजर आए थे। बाद में, इस कथित कपल को कई बार साथ देखा गया। दोनों को रोम में साथ देखा गया। यह तस्वीर खूब वायरल हुई। जहां मलाइका अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते के बारे में बहुत खुलकर बोलती थीं, वहीं एक्ट्रेस ने अभी तक हर्ष के साथ अपने कथित रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है। मलाइका फिल्मों में अपने डांस नंबर्स के लिए जानी जाती हैं। आखिरी बार उन्हें बड़े पर्दे पर 2025 में रिलीज हुई फिल्म श्थामाश के गाने श्पॉइजन बेबीश में देखा गया।

रोजाना छाछ का एक गिलास पीने से पूरी गर्मी तंग नहीं करेगा पेट, इसके और भी हैं कई फायदे

गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा और स्वस्थ रखने के लिए छाछ पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह हल्की, पौष्टिक और पाचन के लिए अच्छी होती है। नियमित रूप से सुबह छाछ पीने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। छाछ को अंग्रेजी में ठनजजमतउपसा कहा जाता है और यह दही को मथकर बनाई जाती है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन और अच्छे बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए लाभकारी होते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाती है

छाछ में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे गैस, अपच और पेट भारी होने जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। गर्मियों में छाछ पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और लू लगने का खतरा कम हो सकता है।

वजन कम करने में सहायक

छाछ में कैलोरी कम और पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। इसलिए इसे डाइट में शामिल करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और वजन नियंत्रण में मदद मिल सकती है। छाछ में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे शरीर को हाइड्रेशन मिलता है और थकान कम महसूस होती है।

हड्डियों को मजबूत बनाती है

छाछ में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर किसी को बार–बार एसिडिटी की समस्या होती है, तो छाछ पीना फायदेमंद हो सकता है। यह पेट को ठंडक देता है और जलन कम करने में मदद करता है।

छाछ पीने का सही तरीका

सुबह या दोपहर में एक गिलास ताजी छाछ पिएं। इसमें थोड़ा भुना जीरा, काला नमक या पुदीना मिला सकते हैं। बहुत ज्यादा नमक या मसाला डालने से बचें। रोजाना सुबह छाछ पीना पाचन को बेहतर बनाने, शरीर को ठंडा रखने और हाइड्रेटेड रहने में मदद कर सकता है। संतुलित मात्रा में इसका सेवन गर्मियों में सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है।

बदलते मौसम में ऑयली स्किन की ऐसे करें देखभाल, मिलेगी खूबसूरत और ग्लोइंग त्वचा

सर्दियों के मौसम में सभी लोगों को अपनी त्वचा का खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं बदलते मौसम में भी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। क्योंकि बदलते मौसम के साथ ही स्किन को भी मौसम के लिए तैयार करना जरूरी होता है। गर्मियों में स्किन पर मुंहासे, दाग–धब्बे और टैनिंग आदि की समस्या होने लगती है। ऐसे में स्किन का ख्याल रखने के लिए आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकती हैं। जिससे आपकी त्वचा क्लीन और एक्ने फ्री रहेगी। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बदलते मौसम में अपनी त्वचा का ख्याल रखने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए।

सनस्क्रीन

वैसे तो त्वचा का ख्याल रखने के लिए हर मौसम में सनस्क्रीन जरूर लगानी चाहिए। लेकिन कुछ लोग बदलते मौसम में इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं। बता दें कि बदलते मौसम में सनस्क्रीन का जरूर अप्लाई करनी चाहिए। आपको एसपीएफ 30 सनस्क्रीन लगाना चाहिए। जो धूप से स्किन का बचाव करती है। वहीं त्वचा के दाग–धब्बों और टैनिंग को भी दूर करने में मददगार होती है।

त्वचा को करें एक्सफोलिएट

बदलते मौसम में अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि इससे स्किन पर जमे सारे डेड स्किन सेल्स निकल जाते हैं। वहीं एक्सफोलिएट करने से स्किन साफ और क्लियर होती है। स्किन को एक्सफोलिएट करने के लिए आप कॉफी या ब्राउन शुगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो बाजार में मिलने वाले स्क्रबर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बॉडी को रखें हाइड्रेट

हर मौसम में अपनी बॉडी को हाइड्रेट रखना चाहिए। इसके लिए आपको ढेर सारा पानी पीना चाहिए। क्योंकि शरीर को हाइड्रेट रखने से इसका फायदा आपकी त्वचा को भी मिलता है। पानी पीने से त्वचा हाइड्रेट होती है और त्वचा ग्लो करने लगती है। त्वचा को हाइड्रेट करने के लिए आप मॉइश्चराइजर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप मार्केट से अपनी स्किन टाइप का मॉइश्चराइजर ले सकते हैं।

फेस मास्क

स्किन की देखभाल के लिए फेस मास्क भी अप्लाई कर सकते हैं। आप मुल्तानी मिट्टी, गुलाबजल, एलोवेरा, ग्लिसरीन या अन्य चीजों का फेस मास्क अप्लाई कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा हाइड्रेट रहती है और चेहरे पर ग्लो आता है।

होंठों पर भी दें ध्यान

अक्सर लोग शरीर और चेहरे पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन होठों की केयर करना भूल जाते हैं। लेकिन बदलते मौसम में आपको अपने होंठों का भी ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि बदलते मौसम में होंठ हाइड्रेट हो जाते हैं। ऐसे में आप लिप बाम या फिर मॉइश्चराइजर आदि लगा सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर में दिखने लगते हैं ये 5 बदलाव, तुरंत कराएं जांच

आज के समय में खराब खानपान और भागदौड़ भरी जीवनशैली के कारण लोगों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या तेजी से देखने को मिल रही है। शरीर में जब खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल (एलडीए) की मात्रा बढ़ जाती है तो यह धीरे–धीरे रक्त वाहिकाओं यानी नसों की दीवारों पर जमने लगता है। इस जमा हुए पदार्थ को प्लाक कहा जाता है। जब नसों में प्लाक जमा होने लगता है तो खून का प्रवाह प्रभावित हो जाता है और दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार शरीर पहले से ही इसके संकेत देने लगता है, लेकिन लोग उन्हें सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए जरूरी है कि इन शुरुआती लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए। नीचे ऐसे 5 संकेतों के बारे में बताया जा रहा है जो शरीर में बढ़ते कोलेस्ट्रॉल और नसों में प्लाक जमने की ओर इशारा कर सकते हैं। अगर आपको बार–बार सीने में दर्द, दबाव या भारीपन महसूस होता है तो यह बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का एक अहम संकेत हो सकता है। जब नसों में प्लाक जमा हो जाता है तो दिल तक जाने वाले खून का प्रवाह कम हो जाता है। ऐसे में दिल को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और सीने में दर्द या जकड़न महसूस हो सकती है। कई लोगों को यह दर्द चलने–फिरने या सीढ़ियां चढ़ने के दौरान ज्यादा महसूस होता है। इसे अक्सर लोग गैस या थकान समझ लेते हैं, लेकिन लगातार ऐसा होने पर डॉक्टर से जांच कराना जरूरी होता है।

जल्दी थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी शरीर में लगातार थकान और कमजोरी महसूस हो रही है तो यह भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का संकेत हो सकता है। जब नसों में प्लाक जमा होने लगता है तो शरीर के अलग–अलग हिस्सों तक खून सही मात्रा में नहीं पहुंच पाता। इस वजह से शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं मिल पाता और व्यक्ति जल्दी थकने लगता है। कई बार साधारण काम करने में भी कमजोरी महसूस होने लगती है।

पैरों में दर्द या ऐंठन होना

उच्च कोलेस्ट्रॉल का असर पैरों की नसों पर भी पड़ सकता है। जब पैरों तक जाने वाली धमनियों में प्लाक जमा हो जाता है तो वहां खून का प्रवाह कम हो जाता है। ऐसी स्थिति में चलते समय पैरों में दर्द, ऐंठन या भारीपन महसूस हो सकता है। कई लोगों को थोड़ी दूरी चलने के बाद रुकना पड़ता है क्योंकि पैरों में दर्द बढ़ जाता है। यह संकेत पेरिफेरल आर्टरी डिजीज (पीएडी) से भी जुड़ा हो सकता है, इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

त्वचा पर पीले धब्बे या गांठें दिखना

शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर कुछ लोगों की त्वचा पर पीले रंग के छोटे–छोटे धब्बे या गांठें दिखाई देने लगती हैं। इन्हें जैंथोमा कहा जाता है। यह आमतौर पर आंखों के आसपास, कोहनी, घुटनों या हाथ–पैरों पर दिखाई दे सकते हैं। ये धब्बे इस बात का संकेत हो सकते हैं कि शरीर में फैट का स्तर ज्यादा हो गया है और कोलेस्ट्रॉल जमा होने लगा है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत स्वास्थ्य जांच कराना जरूरी होता है।

सांस फूलना और चक्कर आना

अगर थोड़ी सी शारीरिक गतिविधि करने पर ही सांस फूलने लगे या बार–बार चक्कर आने लगें तो यह भी बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का संकेत हो सकता है। नसों में प्लाक जमा होने के कारण दिल और शरीर के अन्य हिस्सों तक पर्याप्त खून नहीं पहुंच पाता। इस वजह से व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी, चक्कर या सिर हल्का महसूस होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे तो दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ सकता है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने के लिए क्या करें

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए जीवनशैली में सुधार करना बेहद जरूरी है। रोजाना संतुलित आहार लेना, तली–भुनी और ज्यादा फैट वाली चीजों से दूरी बनाना, नियमित व्यायाम करना और वजन को नियंत्रित रखना काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके अलावा समय–समय पर ब्लड टेस्ट कराना भी जरूरी है ताकि कोलेस्ट्रॉल का स्तर पता चलता रहे और जरूरत पड़ने पर समय रहते इलाज शुरू किया जा सके। स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर दिल से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को होता है माइग्रेन, 15फीसदी आबादी हो रही इसका शिकार

माइग्रेन की समस्या आजकल बहुत से लोगों में बढ़ रही है। यह एक ऐसी समस्या है जिसके कारण सिर के एक भाग में बहुत ज्यादा दर्द होता है और सिर का प्रभावित भाग दिल की तरह बहुत तेज धड़कता है। माइग्रेन के कारण आंखें खोल पाना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा कोई भी रोशनी आंखों में चुभने लगती है। ऐसी स्थिति में बहुत तेज सिरदर्द के अलावा, उल्टियां होना, तेज आवाज सह न पाना जैसे लक्षण दिखते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में माइग्रेन की समस्या होती है लेकिन महिलाओं को माइग्रेन क्यों होता है और इसके पीछे क्या कारण है। आज आपको यह बताएंगे आइए जानते हैं।

लगभग 15: आबादी को है माइग्रेन

जैसा कि हमने आपको बताया कि माइग्रेन एक तरह का गंभीर सिरदर्द है जो सिर की एक साइड से शुरु होता है। माइग्रेन के सिरदर्द में उल्टियां, बहुत ज्यादा चिड़चिड़ापन महसूस होता है। यह एक आम सिरदर्द है और लगभग 15: आबादी इससे जूझ रही है। माइग्रेन जेनेटिक्ल समस्या होती है और यह दर्द पीरियड्स के दौरान ज्यादा बिगड़ सकता है। महिलाओं और पुरुषों में इस बीमारी का रेशियो एक से तीन गुणा है।

किन महिलाओं को होती है यह परेशानी

यह शरीर में हार्मोन में बदलाव के कारण होती है और जो महिलाएं हार्मोनल गोलियां लेती हैं या हार्मोनल कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स का इस्तेमाल करती हैं उन्हें माइग्रेन का खतरा ज्यादा रहता है। शरीर में एस्ट्रोजन नाम का हार्मोन बढ़ने के कारण माइग्रेन सबसे का सबसे बड़ा कारण है। दुनियाभर में माइग्रेन की समस्या 18 से लेकर 49 साल की महिलाओं में ज्यादा होती है। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में माइग्रेन बार–बार होती है

माइग्रेन के कारण

महिलाओं में माइग्रेन के कई कारण हो सकते हैं जैसे

. अनहेल्दी लाइफस्टाइल
. खराब खान–पान
. स्ट्रेस
. स्मोकिंग
. एक्सरसाइज न करना
. एस्ट्रोजन की कमी

माइग्रेन से कैसे करें बचाव?

. माइग्रेन से अपना बचाव करने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं।
. जंक और ऑयली फूड्स से दूरी बनाएं।
. ज्यादा रोशनी या फिर तेज गाने न सुनें।
. कम से कम 7–8 घंटे की पूरी नींद लें। माइग्रेन से बचने के लिए जंक फूड्स और ऑयली फूड से दूरी बनाएं।
. रोजाना वर्कआउट और योग करें।

संक्षिप्त

टीम इंडिया का अगला लक्ष्य क्या? कप्तान सूर्यकुमार ने किया खुलासा, ओलंपिक 2028 का भी किया जिक्र

अहमदाबाद,एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के अगले लक्ष्य का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि टीम अब अगले टी20 विश्वकप और 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को लेकर भी उत्साहित है और वहां भी देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहती है। सूर्यकुमार यादव ने इतिहास रच दिया है। एमएस धोनी और रोहित शर्मा के बाद सूर्यकुमार भारत के ऐसे तीसरे कप्तान बन गए हैं जिनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप जीता है। भारतीय टीम ने रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब जीता। भारत की खिताबी जीत के बाद सूर्यकुमार यादव ने अपने अगले दो लक्ष्य भी स्पष्ट कर दिए हैं। 35 साल के हो चुके सूर्यकुमार यादव की विश्व कप के बाद संन्यास की अटकले लगाई जा रही थीं। मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए भारतीय कप्तान ने इन तमाम अटकलों को खारिज करते हुए अपने अगले दो बड़े लक्ष्य स्पष्ट कर दिए। सूर्यकुमार यादव ने कहा, श्मेरा अगला लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में ओलंपिक गोल्ड जीतना है। साथ ही, उसी साल हमें अपने टी20 वर्ल्ड कप खिताब का बचाव भी करना है। इसे भूलिएगा मत।श सूर्यकुमार के इस बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कम–से–कम अगले दो साल वह कहीं नहीं जाने वाले हैं। सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप 2024 के बाद इस फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई थी। उनका लक्ष्य 2026 में खिताब को अपने घरेलू दर्शकों के सामने बचाना था, और इसमें वह सफल रहे। सूर्यकुमार आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों वाले कप्तानों में सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। कुल 52 टी20 मैचों में उन्होंने कप्तानी की है, जिनमें टीम इंडिया ने 42 मैच जीते हैं। 8 मैचों में हार मिली है, और 2 मैचों का परिणाम नहीं आया है। सूर्या की जीत का प्रतिशत 80.77 है। दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं। टी20 विश्व कप 2026 के पहले मैच में यूएसए के खिलाफ नाबाद 84 रन की पारी खेल टीम इंडिया को जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार बाद के मैचों में बेशक बड़ी पारियां न खेल पाए हों, लेकिन उनकी छोटी पारियों ने कई मैचों में टीम को संभाला और बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यकुमार यादव ने विश्व कप की नौ मैचों की पारियों में 30.25 की औसत से 242 रन बनाए। सैमसन और ईशान के बाद वह टीम के तीसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे।

पश्चिम एशिया तनाव का असरय डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, टूटकर 92.5 तक गिरा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर की बढ़ती मांग के कारण रुपये पर दबाव बढ़ गया। शुरुआती कारोबार में रुपया 92.20 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन जल्दी ही गिरकर 92.528 तक पहुंच गया। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 25: से ज्यादा उछलकर 118 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध ने तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतें बढ़ने से भारत जैसे आयातक देशों में डॉलर की मांग बढ़ जाती है, जिससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आयातकों और तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव बना हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर बाजार में ज्यादा उतार–चढ़ाव होता है तो भारतीय रिजर्व बैंक हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाल सकता है। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुदी आर के मुताबिक, डॉलर–रुपया जोड़ी फिलहाल अपने नए ऑल–टाइम हाई के आसपास 92.30–92.32 के दायरे में कारोबार कर रही है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए महंगा कच्चा तेल और मजबूत डॉलर रुपये पर लगातार दबाव बना रहे हैं। तकनीकी चार्ट के आधार पर फिलहाल ट्रेंड अमेरिकी डॉलर के पक्ष में मजबूत दिखाई दे रहा है। फॉरेक्स ट्रेडर्स के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और शेयर बाजार में भारी गिरावट ने भी रुपये की कमजोरी को बढ़ाया है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 18 पैसे गिरकर 91.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इधर डॉलर इंडेक्स, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाता है, 0.66प्रतिशत बढ़कर 99.64 पर पहुंच गया। वहीं घरेलू शेयर बाजार में भी भारी बिकवाली देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 2,400 से ज्यादा अंक गिर गया, जबकि निफ्टी 708.75 अंक टूटकर 24,000 के नीचे पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 6,030.38 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। हालांकि इस बीच एक सकारात्मक संकेत यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.885 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 728.494 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

दो आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले पहले भारतीय कोच बने गौतम, आलोचकों को दिया जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। खिलाड़ी के तौर पर चमकने के बाद गौतम गंभीर मुख्य कोच के तौर पर भी खुद को साबित कर रहे हैं। 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया था और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम की जिम्मेदारी गंभीर को सौंपी थी। गंभीर का मेंटर के तौर पर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ कार्यकाल बेहद सफल रहा था, लेकिन जब से उन्हें राष्ट्रीय टीम का जिम्मा सौंपा गया, तभी से उनके फैसलों पर लगातार सवाल उठते रहे। गंभीर ने टी20 विश्व कप 2024 के बाद मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला था और पहले ही दिन से उन्होंने कड़े फैसले लेकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। गंभीर पर पक्षपात करने के आरोप लगे और उनकी नीतियों पर सवाल भी खड़े किए गए, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा और वह नियमित रूप से अपना काम करते रहे। गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टेस्ट टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है और टीम घरेलू मैदान पर भी जीत हासिल नहीं कर पा रही है, लेकिन सीमित ओवर में उन्हें सफलताएं मिली है।

गंभीर राहुल द्रविड़ के सफल कार्यकाल के बाद इस पद पर आए थे। उनके सामने कड़ी चुनौतियां थी। गंभीर की शैली द्रविड़ से काफी अलग थी और ऐसी चर्चा होनी शुरू हो गई थी कि उनके विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों से रिश्ते क्या बेहतर रहेंगे? कम समय में ही गंभीर के कार्यकाल की आलोचना होने लगी और उनकी शैली पर भी सवाल खड़े किए गए। गंभीर ने जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच पद को संभाला था। गंभीर ऐसे समय पद पर आए जब भारत ने द्रविड़ के कार्यकाल में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था और इस प्रारूप में भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी। माना जा रहा था कि हार्दिक पांड्या को टी20 टीम की कमान सौंपी जाएगी, लेकिन कप्तानी सूर्यकुमार यादव को मिली। यह हैरान करने वाला फैसला था, लेकिन टीम इंडिया में गंभीर का दौर शुरू हो चुका था और संभवतः सूर्यकुमार को कप्तानी मिलने में गंभीर की अहम

भूमिका रही। इन दोनों की जोड़ी टी20 में हिट रही। चाहे एशिया कप हो या द्विपक्षीय सीरीज और अब टी20 विश्व कप, इन दोनों के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन दमदार रहा।

तमाम आलोचनाओं और पक्षपात के आरोपों के बीच गंभीर के नेतृत्व में टीम इंडिया ने पिछले साल चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। भारत ने उस समय पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया था। रोहित शर्मा की कप्तानी और गंभीर के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी जीती थी। गंभीर ने इस तरह कोच के तौर पर अपने पहले ही आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को जीत दिलाई थी। गंभीर के नेतृत्व में वनडे और टी20 में तो टीम ने दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन टेस्ट प्रारूप में भारत का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है। गंभीर के नेतृत्व में भारत ने पहली टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को हराया था। इसके बाद भारत का मुकाबला 2024 में न्यूजीलैंड से हुआ था। तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन घरेलू मैदान पर काफी खराब रहा था और टीम इंडिया लंबे समय के बाद घर में कोई टेस्ट सीरीज हारी। कीवी टीम ने भारत को उसी के घर पर 0–3 से मात दी थी। फिर उसी साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी गंवाई जिससे टीम विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023–2025 चक्र के फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

गंभीर के नेतृत्व में भारत ने पिछले साल इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2–2 से ड्रॉ कराई। इसके बाद घरेलू मैदान पर टीम ने वेस्टइंडीज को हराया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत 0–2 से हार गया। इससे पहले डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र में भी टीम की स्थिति खराब हो गई है। भारत को फिलहाल लंबे समय तक टेस्ट मैच नहीं खेलना है क्योंकि अब आईपीएल 2026 का सीजन शुरू हो रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही भारतीय टेस्ट टीम भी अपनी पुरानी लय में लौटेगी। टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन के बाद फिर आलोचकों ने गंभीर को निशाने पर लिया था, लेकिन सीमित ओवर के प्रारूप में टीम ने पिछले छह महीने में दो खिताब जीते जिससे गंभीर ने राहत की सांस ली। गंभीर के कार्यकाल में भारत ने पिछले साल सितंबर में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप ट्रॉफी पर अपना कब्जा बरकरार रखा था। पिछली बार एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला गया था और सूर्यकुमार के नेतृत्व में भारत ने जीत दर्ज की थी। अब छह महीने बाद भारत ने घरेलू जमीन पर टी20 विश्व कप का सफलतापूर्वक बचाव किया। इस तरह गंभीर के कार्यकाल में भारत अब तक दो आईसीसी ट्रॉफी और एक एशिया कप जीत चुका है। इसमें कोई शक नहीं है कि गंभीर और भारतीय टीम की नजरें अब अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप पर टिकी होंगी। दिलचस्प बात यह है कि एक खिलाड़ी के तौर पर गंभीर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप की विजेता टीम का हिस्सा थे और अब कोच के रूप में भी वह दो आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर चुके हैं।

फाइनल से एक दिन पहले बहन की मौत, फिर भी भारत को जिताने उतरे ईशान

अहमदाबाद,एजेंसी। भारत की टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ऐतिहासिक जीत कई मायनों में खास रही। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। हालांकि इस जीत के बीच एक बेहद भावुक कहानी भी सामने आई। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने खुलासा किया कि फाइनल से ठीक एक दिन पहले उनकी चचेरी बहन की कार हादसे में मौत हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने मैदान पर उतरकर खेला और भारत की जीत को अपनी दिवंगत बहन को समर्पित कर दिया। फाइनल के बाद अहमदाबाद में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईशान किशन ने इस दुखद घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि बहन की मौत के बाद भी उन्होंने टीम के लिए खेलने का फैसला किया। ईशान किशन ने कहा, श्ईमानदारी से कहूं तो मैच से पहले ही मेरी बहन की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। मैंने यह मैच उसी के लिए खेला। मैंने हार्दिक भाई से बात की थी, उन्होंने कहा कि टीम को सबसे ऊपर रखो। मैं यह जीत उसे समर्पित करता हूं और आज (रविवार को) महिला दिवस भी है, इसलिए यह पल और भी खास हो गया है। ईशान ने बताया कि मुश्किल समय में हार्दिक पांड्या के साथ हुई बातचीत ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने में मदद की। उन्होंने कहा कि पांड्या ने उन्हें टीम के बारे में सोचने की सलाह दी, जिससे वह खुद को संभाल पाए और मैदान पर पूरी ताकत से उतर सके। ईशान किशन ने यह भी बताया कि पिछले एक साल में उन्होंने अपनी सोच बदलने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मैंने अब ज्यादा सोचना बंद कर दिया है। बस अपना काम करना है और उन चीजों के बारे में नहीं सोचना जो आपके नियंत्रण में नहीं हैं।

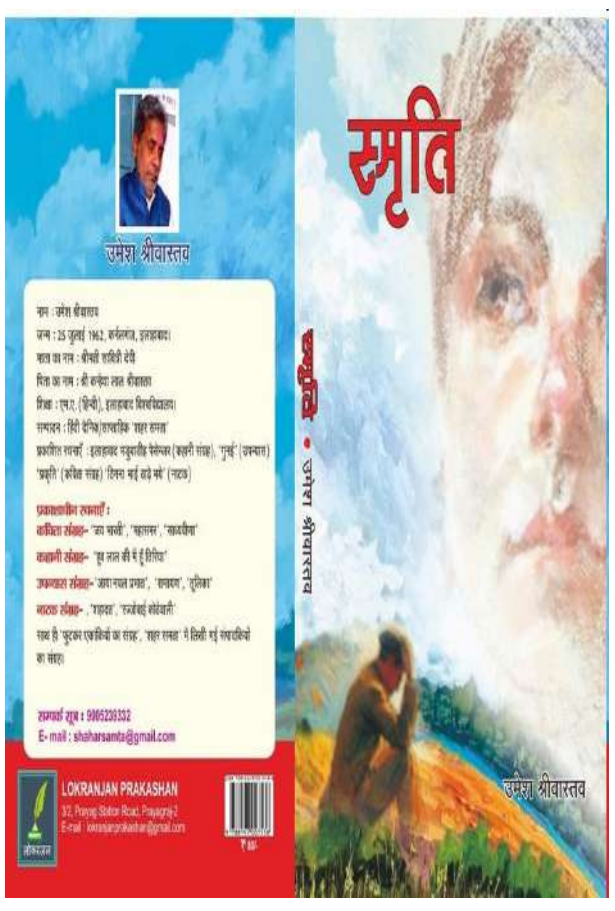

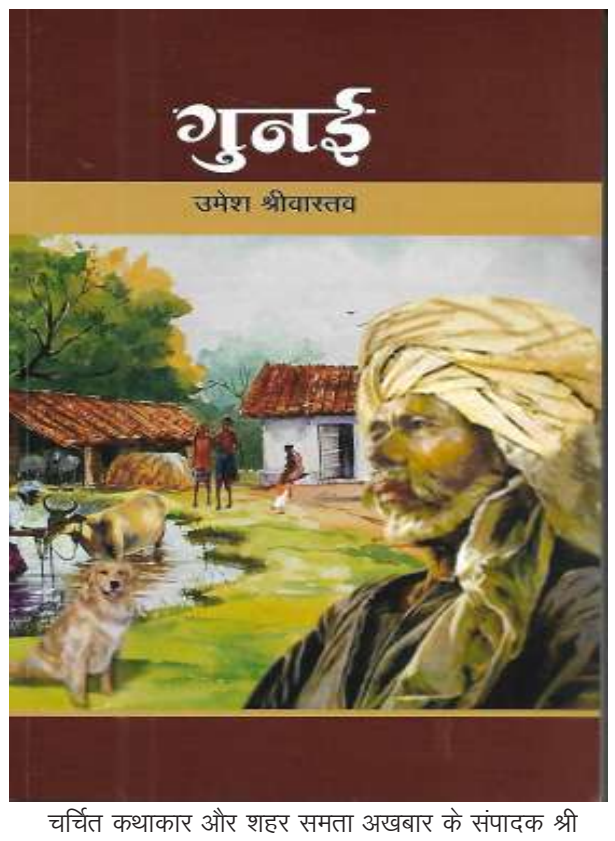

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

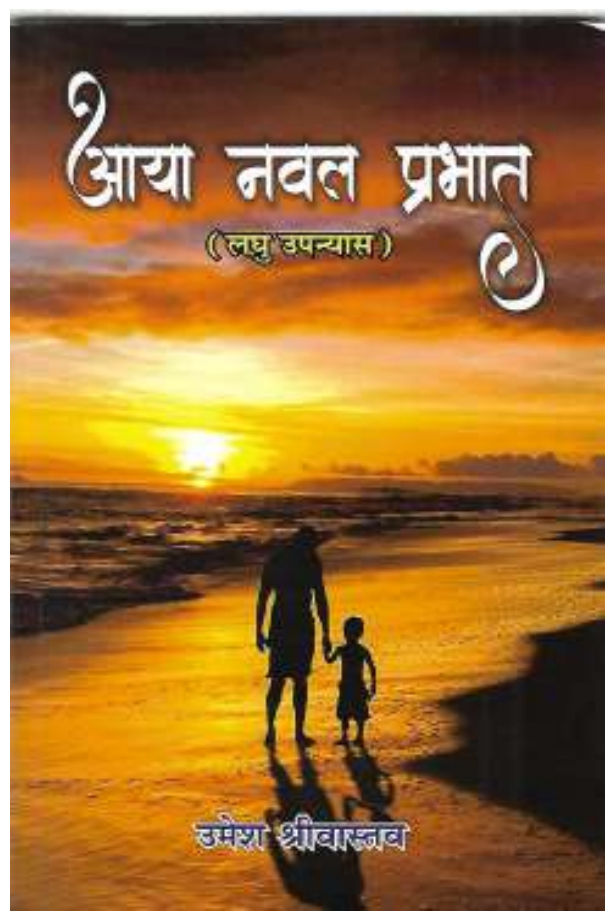

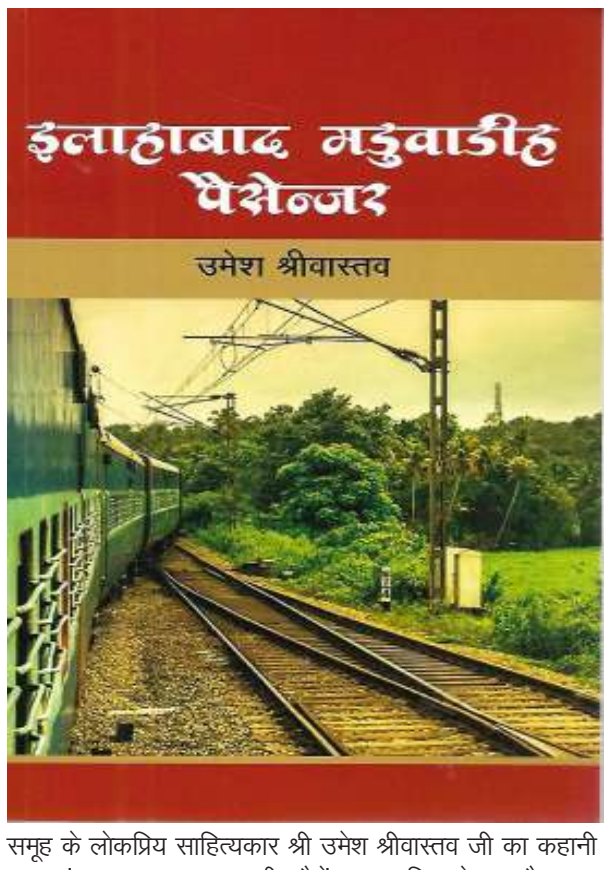

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

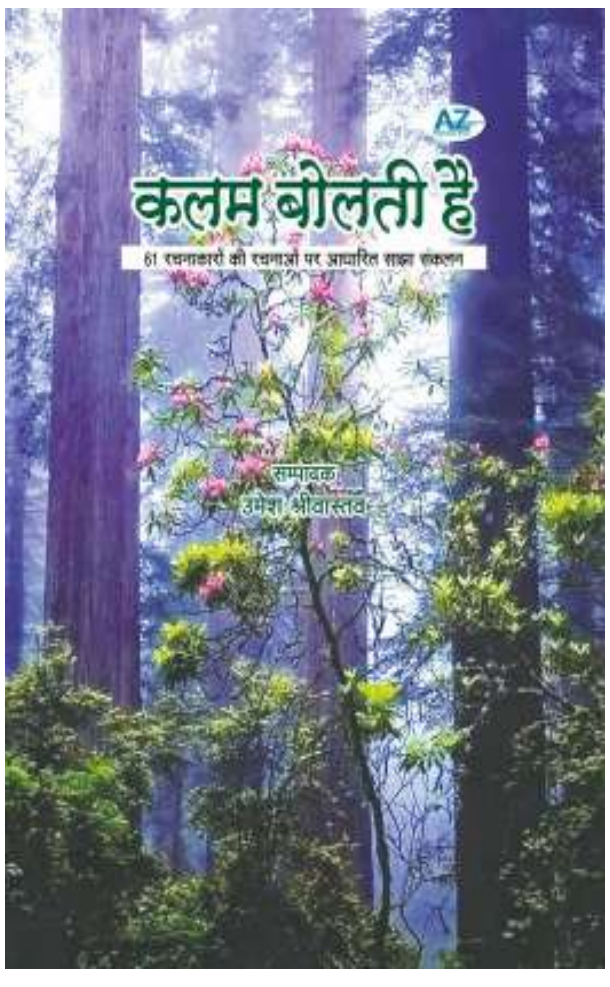

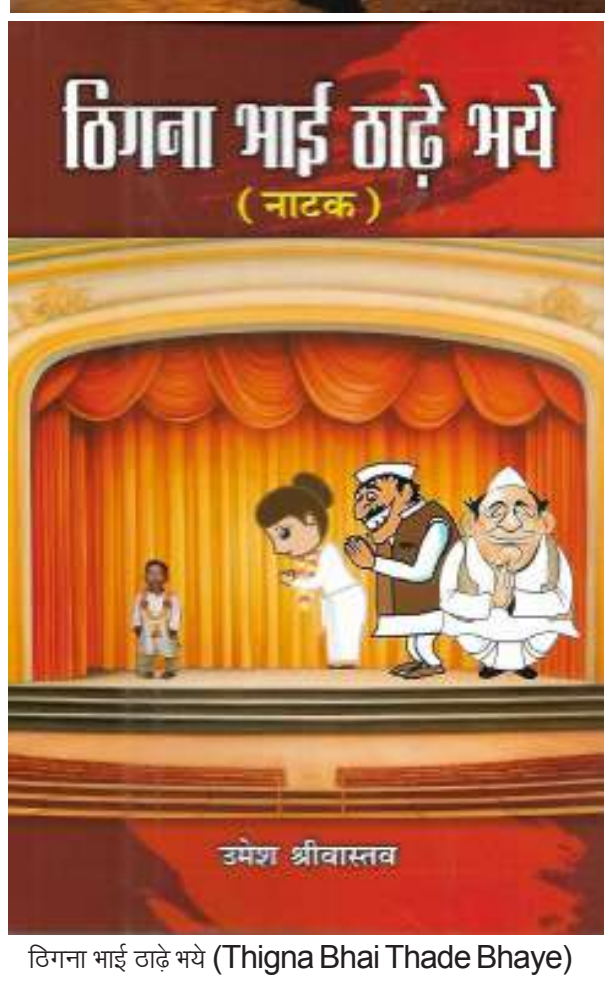

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिकी संसद में एच-1बी प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए विधेयक पेश, ट्रंप के फैसले पर सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच–1बी वीजा से संबंधित लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक नया विधेयक पेश किया गया है। डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वॉटसन कोलमैन ने यह विधेयक पेश कर राष्ट्रपति ट्रंप के उस फैसले को निरस्त करने की मांग की है, जिसमें एच–1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर सख्त वेतन शर्तें और भारी शुल्क लगाए गए थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर 2025 में एक ऐसे फैसले की घोषणा की थी, जिसके तहत एच–1बी वीजा कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वेतन स्तर को काफी बढ़ा दिया गया और ऐसे कर्मचारियों को रखने वाले नियोक्ताओं पर एक लाख डॉलर का शुल्क भी लगाया गया। इस फैसले का उद्देश्य कथित तौर पर अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था। हालांकि, डेमोक्रेटिक सांसद कोलमैन का मानना है कि यह श्अल्पदृष्टि वाली घोषणाश अमेरिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी बाधाएं खड़ी कर रही है। ये संस्थान उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। कोलमैन ने जोर देकर कहा कि एच–1बी वीजा प्रोग्राम कभी भी घरेलू वर्कफोर्स का विकल्प नहीं रहा है, बल्कि यह अमेरिकी और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक सेतु का काम करता है, जो देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करता है। एच–1बी वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को उन विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जहाँ कुशल श्रमिकों की कमी होती है। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में इस कार्यक्रम की महत्ता सर्वविदित है। कोलमैन के विधेयक को कई लोगों का समर्थन मिला है। समर्थकों का कहना है कि अधिक वेतन सीमा और महंगे शुल्क के कारण कार्यक्रम को कड़ा बनाने से उन संस्थानों के लिए आवश्यक प्रतिभा को आकर्षित करना मुश्किल हो गया है, जो नवाचार (इनोवेशन) और महत्वपूर्ण सेवाओं को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वॉटसन कोलमैन ने इस बात पर विशेष चिंता व्यक्त की है कि ये पाबंदियां ऐसे समय में लागू की गई हैं जब अमेरिका का स्वास्थ्य क्षेत्र पहले से ही भारी दबाव का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्उम्रदराज कार्यबल, कोविड–19 का प्रभाव, एच–1बी वीजा पर प्रतिबंध और ट्रंप प्रशासन द्वारा नर्सिंग डिग्री के लिए संघीय छात्र ऋण पर हालिया सीमाओं के कारण आने वाले वर्षों में नर्सों की कमी का एक गंभीर संकट पैदा हो सकता है।ष उन्होंने उम्मीद जताई कि ष्वेलकमिंग इंटरनेशनल सक्सेस एक्टष (Welcoming International Success Act) नामक यह विधेयक, योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा और इस बोझ को कम करेगा। इस विधेयक को कई डेमोक्रेटिक सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ है। सह–प्रायोजकों में न्यूयॉर्क की प्रतिनिधि यवेट डी. क्लार्क, फ्लोरिडा की लोइस फ्रैंकल, मैसाचुसेट्स के सेठ मोल्टन और जॉर्जिया के हेनरी सी. श्हैंकश जॉनसन जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि एच–1बी वीजा धारकों में भारतीय पेशेवरों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है, विशेषकर तकनीकी क्षेत्र में। इसी कारण भारत और अमेरिका में बसे भारतीय समुदाय के बीच इस कार्यक्रम पर हमेशा बारीकी से नजर रखी जाती है। ट्रंप प्रशासन के कड़े रुख से भारतीय पेशेवरों और उनसे जुड़ी कंपनियों को चिंताएं सता रही थीं।

संक्षिप्त

पश्चिम एशिया संघर्ष: ईरान का बहरीन की सबसे बड़ी तेल कंपनी पर भीषण हमला, ड्रोन से मचा दी तबाही

एजेंसी/पश्चिम एशिया में अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच शुरू हुआ युद्ध तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गया है। 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने कुछ ही दिनों में लेबनान,

खाड़ी देशों और वैश्विक ऊर्जा बाजारों तक असर डाल दिया। इसी बीच बहरीन की सरकारी तेल कंपनी ने सोमवार को अपने शिपमेंट के लिए फोर्स मेज्योर की घोषणा कर दी। दरअसल, ईरान के हमले में उसकी रिफाइनरी में आग लग गई थी। बहरीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) की घोषणा की, जो एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके तहत असाधारण परिस्थितियों के कारण कोई कंपनी अपने संविदात्मक दायित्वों से मुक्त हो जाती है। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे क्षेत्रीय संघर्ष और हाल ही में उसके रिफाइनरी परिसर पर हुए हमले से कंपनी के संचालन प्रभावित हुए हैं।

हमलों में सातवें अमेरिकी सैनिक की मौत, ट्रंप दे चुके हैं तेहरान को खुली धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी ईरान युद्ध के बीच अमेरिका को एक और बड़ा झटका लगा है। हमले में घायल हुए एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस युद्ध में मारे गए अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। अमेरिकी सैन्य कमान अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि यह सैनिक 1 मार्च को सऊदी अरब में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले के दौरान गंभीर

रूप से घायल हुआ था। बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सैनिक की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि उसके परिवार को आधिकारिक सूचना देना अभी बाकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला सऊदी अरब के एक सैन्य अड्डे पर हुआ था, जहां अमेरिकी सैनिक तैनात थे। हमले के दौरान सैनिक को गंभीर चोटें आई थीं और उसे इलाज के लिए मेडिकल सुविधा में स्थानांतरित किया गया था। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, ईरानी शासन के शुरुआती हमलों के दौरान घायल हुए एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान अभी भी जारी हैं। इसी बीच अमेरिका के रक्षा विभाग अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने कुवैत में तैनात एक नेशनल गार्ड अधिकारी की मौत की भी पुष्टि की है। 46 वर्षीय मेजर सोरफली डेवियस, जो न्यूयॉर्क के क्वींस इलाके के कैम्ब्रिया हाइट्स के रहने वाले थे, 6 मार्च को कुवैत के कैंप ब्यूहरिंग में एक मेडिकल इमरजेंसी के दौरान मृत पाए गए। वह न्यूयॉर्क की 42वीं इन्फैंट्री डिवीजन के मुख्यालय बटालियन में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना गैर–युद्ध संबंधी कारणों से हुई, हालांकि मौत के सटीक कारण की जांच अभी जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सबसे बड़ा हमला करने का एलान किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसी का संकेत देते हुए बी 52 बॉम्बर्स का एक वीडियो भी साझा किया था। डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि तेहरान के बिना शर्त सरेंडर करने तक अमेरिका के हमले जारी रहेंगे। जबकि ईरान की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी अली लारीजानी ने कहा है कि ईरान अपने लीडर के खून का बदला लेगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी कि उन्हें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या की कीमत चुकानी होगी। पिछले महीने के अंत से अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच तनाव तेजी से बढ़ा है। दोनों पक्षों के बीच लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई हो रही है, जिससे पूरा पश्चिम एशिया क्षेत्र संघर्ष की चपेट में आ गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान की ओर से कई देशों में मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जहां अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। इससे अमेरिकी सेना को लगातार खतरा बना हुआ है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे–जैसे संघर्ष बढ़ रहा है, वैसे–वैसे अमेरिकी और अन्य देशों के सैनिकों के हताहत होने का खतरा भी बढ़ सकता है। अमेरिकी सैन्य नेतृत्व ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों के कारण आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

'ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने की छोटी कीमत': तेल की कीमतों में उछाल पर बोले ट्रंप, बताया कब गिरेंगे दाम?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच इसका बड़ा प्रभाव तेल की कीमतों पर भी देखने को मिल रहा है। इसी बीच बढ़ते तेल की कीमतों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आ रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पश्चिम एशिया संघर्ष: खामेनेई के बेटे मोजतबा से भी ट्रंप नाखुश, सर्वोच्च नेता बनाए जाने पर भड़क उठे, क्या कहा?

एजेंसी। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी घोषित किया गया है। इसी बीच मोजतबा खामेनेई के चयन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहली प्रतिक्रिया में दी। उन्होंने कहा कि वे इस से ष्खुश नहीं हैंष। उन्होंने फॉक्स न्यूज के एंकर ब्रायन किल्मीड से बात करते हुए कहा, ष्ईरान ने मोजतबा खामेनेई को अपना नया सर्वोच्च नेता चुना है। मैं खुश नहीं हूं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले भी कहा था, श्खामेनेई का बेटा मेरे लिए स्वीकार्य नहीं है। हम चाहते हैं कि ईरान में ऐसा व्यक्ति सत्ता में आए जो शांति और सौहार्द लाए।श ट्रंप ने एक मीडिया चौनल से बातचीत में कहा था कि, श्मेरी मंजूरी के बिना कोई नया नेता ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएगा। ईरानी सरकारी टीवी ने सोमवार को सर्वोच्च नेता का एलान किया। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया, जब अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद युद्ध शुरू हुआ और अब एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया है। मोजतबा खामेनेई को लंबे समय से इस पद का संयुक्त अनुमोदन माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि मोजतबा ने इससे पहले भी कभी किसी सरकारी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ा था और न ही उन्हें किसी पद पर नियुक्त किया था। ईरान की 88 सदस्यीय धार्मिक विशेषज्ञ सभा ने मोजतबा को देश का नया सुप्रीम लीडर चुना। ईरान की धार्मिक विद्वान सभा, धार्मिक विद्वानों का समूह है, जो सर्वोच्च नेता का चयन करता है। सरकारी टीवी ने एक बयान पढ़कर सुनाया जिसमें कहा गया कि उन्हें मजबूत समर्थन के आधार पर चुना गया है और देशवासियों से उनके पीछे एकजुट होने की अपील की गई। साथ ही तेहरान के सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के जश्न मनाने के दृश्य भी दिखाए गए। लगभग आधी सदी पहले हुई इस्लामी क्रांति के बाद से सर्वोच्च नेता के पद पर सत्ता का यह केवल दूसरा हस्तांतरण है। मोजतबा खामेनेई पिछले कई दिनों से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे। अब वह ईरान की सत्ता व्यवस्था के केंद्र में होंगे और राज्य के सभी महत्वपूर्ण मामलों पर अंतिम निर्णय उन्हीं का होगा। वे सेना और शक्तिशाली अर्धसैनिक संगठन रिवोल्यूशनरी गार्ड के सर्वोच्च कमांडर भी होंगे।

'युद्ध का कोई उद्देश्य साफ नहीं': पूर्व अमेरिकी NSA ने ईरान से जंग पर जताई चिंता, ट्रंप की रणनीति की आलोचना की

वॉशिंगटन, एजेंसी।पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब अपने दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसके बाद भी ये संघर्ष कम होने के बजाय और भयावह रूप लेता नजर आ रहा है। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के ईरान के साथ युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त की है। साथ ही ट्रंप की ईरान के साथ युद्ध नीति की आलोचना भी की है। उन्होंने कहा है कि युद्ध एक स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य के बिना भटक सकता है, भले ही अमेरिकी सैन्य अभियान सामरिक स्तर पर सफल दिख रहे हों। सुलिवन ने सीएनएन के शो श्फरेद जकारिया जीपीएसश में कहा कि अमेरिकी सेना बहुत कुशल, साहसी और पेशेवर है, लेकिन युद्ध का अंतिम उद्देश्य अब भी साफ नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, और अब तक सात सैनिकों की जान जा चुकी है। उनका कहना है कि प्रशासन ने युद्ध के लिए कई अलग–अलग वजहें बताई हैं, लेकिन कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है, और यह समय के साथ बदलती रहती हैं। सुलिवन ने आगे कहा कि युद्ध के शुरुआती एक हफ्ते से भी ज्यादा समय बाद अस्पष्ट रणनीति एक गंभीर जोखिम है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की वेनेजुएला में पहले की कार्रवाई से गलत सबक लेने की भी आलोचना की। उनका कहना है कि इससे यह संदेश जा सकता है कि अमेरिका कहीं भी, किसी भी समय सैन्य बल का इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही सुलिवन ने चेतावनी दी कि इस युद्ध के अनपेक्षित भू–राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं, जिससे खासकर रूस को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि रूस अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों की जानकारी हासिल कर ईरान को मदद दे सकता है। इसके अलावा पूर्व सलाहकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू करने का फैसला यूक्रेन के लिए अमेरिका के समर्थन को कमजोर करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह युद्ध भू–राजनीति में खतरनाक मिसाल बना सकता है, और चीन इसे यह सोचकर देख सकता है कि ताइवान पर सैन्य कार्रवाई करने की उसकी क्षमता बढ़ गई है। सुलिवन ने निष्कर्ष निकाला कि युद्ध के बिना स्पष्ट रणनीति के जारी रहने से न सिर्फ अमेरिकी सैनिक खतरे में हैं, बल्कि यह दुनिया भर में बड़े देशों के लिए गलत संदेश भी भेज सकता है।

ईरान युद्ध में नया मोड़, जमीनी कार्रवाई की तैयारीय ट्रंप ने परमाणु सामग्री पर दिए बड़े संकेत

वॉशिंगटन, एजेंसी अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और खतरनाक दौर में पहुंचता दिखाई दे रहा है। संघर्ष के नौवें दिन ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका और इस्राइल अब ईरान के भीतर जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी परमाणु सामग्री की सुरक्षा का हवाला देते हुए जरूरत पड़ने पर विशेष सैन्य बल भेजने के संकेत दिए हैं। इससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ने की आशंका है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका और इस्राइल को ईरान के परमाणु भंडार को लेकर गंभीर चिंता है। माना जा रहा है कि ईरान के पास संवर्धित यूरेनियम का बड़ा भंडार मौजूद है। दोनों देशों की योजना है कि जरूरत पड़ने पर विशेष सैन्य बलों के जरिए इस परमाणु सामग्री को अपने नियंत्रण में लिया जाए। इसी कारण ईरान में संभावित जमीनी अभियान को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। रविवार को एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से ईरान में जमीनी कार्रवाई को लेकर सवाल पूछा गया। ट्रंप ने सीधे तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की, लेकिन यह जरूर कहा कि परमाणु सामग्री की सुरक्षा बेहद जरूरी है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि हालात की मांग हुई तो अमेरिका अपने विशेष बलों का इस्तेमाल कर सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अली अराघची ने कहा कि यदि अमेरिकी या इस्राइली सेना ने ईरान की जमीन पर कदम रखा तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना पूरी तरह तैयार है और देश में घुसने वाले किसी भी दुश्मन का मुकाबला किया जाएगा। अराघची ने दावा किया कि ईरान के सैनिक अपनी जमीन की रक्षा के लिए पूरी ताकत से लड़ेंगे। अराघची ने यह भी कहा कि अमेरिका और इस्राइल फिर से युद्धविराम की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ईरान फिलहाल इसके लिए तैयार नहीं है। उनके अनुसार जब तक स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। ईरान का कहना है कि वह अपने लोगों और अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए यह लड़ाई लड़ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री ने पड़ोसी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि ईरान की मिसाइलें सीधे अमेरिका तक नहीं पहुंच सकतीं, इसलिए पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है।

'इस्राइल को तबाह कर देता ईरान': बढ़ते हमलों के बीच ट्रंप बोले- नेतन्याहू के साथ करेंगे जंग खत्म करने का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले दस दिनों से जारी संघर्ष ने दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि ईरान के साथ युद्ध कब खत्म होगा, इसका फैसला वह इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर करेंगे। ट्रंप ने यह बात द टाइम्स ऑफ इस्राइल से एक छोटे टेलीफोनिक इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि अगर वो और नेतन्याहू न होते, तो ईरान इस्राइल को पूरी तरह तबाह कर देता। ट्रंप ने कहा कि ईरान इस्राइल और आसपास के देशों को नष्ट करने वाला था। हमने मिलकर काम किया और उस देश को रोक दिया। इसके साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या युद्ध खत्म करने का फैसला सिर्फ उनका होगा या नेतन्याहू की भी राय शामिल होगी, तो ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है यह साझा निर्णय होगा, थोड़ा–बहुत। हम बात कर रहे हैं। इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इस जंग को खत्म करने का फैसला मैं सही समय पर लूंगा, लेकिन सब कुछ ध्यान में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपनी राय रखेंगे, लेकिन अंतिम फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति का होगा। इससे पहले ट्रंप ने दुनियाभर में बढ़ते तेल की कीमतों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए कुछ समय के लिए तेल की कीमतें बढ़ भी जाती हैं, तो यह दुनिया की सुरक्षा और शांति के लिए बहुत छोटी कीमत होगी। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी लिखा कि जब ईरान के परमाणु खतरे को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा, तब तेल की कीमतें जल्दी ही गिर जाएंगी। अभी अगर थोड़े समय के लिए तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो यह अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा के लिए एक छोटी सी कीमत है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग इससे अलग सोचते हैं, वे मूर्ख हैं।

मोजतबा खामेनेई चुने गए ईरान के नए सुप्रीम लीडर, ईरानी सरकार ने किया एलान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी घोषित किया गया है। ईरानी सरकारी टीवी ने सोमवार तड़के इसकी घोषणा की। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद शुरू हुआ युद्ध अब एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया है। मोजतबा खामेनेई को लंबे समय से इस पद का संभावित दावेदार माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि मोजतबा ने इससे पहले कभी भी किसी सरकारी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ा और न ही उन्हें किसी पद पर नियुक्त किया गया था। ईरान की 88 सदस्यीय धार्मिक विशेषज्ञ सभा ने मोजतबा को देश का नया सुप्रीम लीडर चुना। ईरान की धार्मिक विद्वान सभा, धार्मिक विद्वानों का समूह है, जो सर्वोच्च नेता का चयन करता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।